● वर्ष-5
● अंक-158
रायपुर, रविवार
15 फरवरी 2026
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8› मजबूत समाज के निर्माण..

### मोदी कैबिनेट ने लिये कई अहम फैसले

# हर हाथ को मिलेगा काम, कम होंगे दाम

**नईदिल्ली।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रशासन, अवसंरचना, नगरीय विकास, नवाचार और संपर्क के मोर्चे पर कई दूरगामी फैसलों को मंजूरी दी है। इन फैसलों का संदेश साफ है कि शासन की कार्यशैली को सेवा भाव से जोड़ते हुए देश को तेज विकास पथ पर आगे बढ़ाना है। सबसे प्रतीकात्मक फैसला नार्थ और साउथ ब्लॉक से नए परिसरों सेवातीर्थ और कर्तव्य भवनों में सरकारी कार्यालयों के स्थानांतरण का है। करीब एक सदी से सत्ता संचालन के केंद्र रहे ये भवन अब युगे युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय का हिस्सा बनेंगे। मोदी सरकार का कहना है कि औपनिवेशिक दौर में बने इन भवनों को विरासत के रूप में संरक्षित करते हुए प्रशासन को आधुनिक, तकनीक समर्थ और पर्यावरण अनुकूल परिसरों में ले जाना समय की मांग है। इससे कार्यकुशलता बढ़ेगी, डिजिटल शासन को गति मिलेगी और कर्मियों के लिए बेहतर कार्य परिवेश बनेगा। साथ ही संग्रहालय के रूप में विकसित होने पर ये परिसर भारत की सभ्यता यात्रा, स्वतंत्रता संघर्ष और लोकतांत्रिक विकास की कहानी आने वाली पीढ़ियों को बताएंगे।

जहां तक मंत्रिमंडल बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण फैसलों की बात है तो आपको बता दें कि रेल क्षेत्र में तीन मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है जिनकी कुल लागत लगभग 18509 करोड़ रुपये है। कसारा मनमाड, दिल्ली अंबाला और बल्लारी होसापेट खंडों पर तीसरी और चौथी लाइन बिछेगी। करीब 389 किमी नेटवर्क बढ़ेगा और निर्माण के दौरान 265 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित होगा। इन मार्गों पर अभी भीड़ और देरी बड़ी समस्या है। अतिरिक्त लाइन से यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होगी, समयपालन सुधरेगा और

रसद लागत घटेगी। कोयला, इस्पात, अनाज, उर्वरक जैसे सामान की ढुलाई तेज होने से उद्योग और कृषि दोनों को लाभ होगा। अनुमान है कि तेल आयात में कमी और कार्बन उत्सर्जन में गिरावट भी होगी, जिससे पर्यावरण को सहारा मिलेगा। कई तीर्थ और पर्यटन स्थलों की पहुंच बेहतर होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

वहीं सड़क अवसंरचना में महाराष्ट्र के घोटी त्र्यंबक मोखाडा जव्हार मनोर पालघर खंड के उन्नयन को मंजूरी मिली है। 154 किमी से अधिक लंबाई वाली इस परियोजना पर 3320 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह मार्ग औद्योगिक क्षेत्रों को द्रुतमार्गों और तटीय पट्टी से जोड़ेगा। नासिक शहर पर दबाव घटेगा, यात्रा समय कम होगा और आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास होगा। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लाखों मानव दिवस का रोजगार बनेगा। इसी तरह गुजरात में राजमार्ग 56 के दो खंडों को चार लेन बनाने पर 4583 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना आदिवासी बहुल जिलों की पहुंच बढ़ाएगी और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे पर्यटन केंद्र तक आवागमन सुगम करेगी। यात्रा समय में बड़ी कमी का भी अनुमान है।

वहीं असम में ब्रह्मपुत्र के नीचे सड़क सह रेल सुरंग परियोजना को हरी झंडी मिली है जिसकी कुल लंबाई 33.7 किमी है और लागत 18662 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह गोहपुर और नुमालीगढ़ को जोड़ेगी और मौजूदा लंबा घुमावदार मार्ग का विकल्प बनेगी। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए यह रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। तेज संपर्क से व्यापार, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी होगा। देश में इस तरह की यह पहली परियोजना होगी, जो तकनीकी क्षमता का भी प्रदर्शन है।

इसके अलावा, तेलंगाना में हैदराबाद पणजी आर्थिक गलियारे पर राजमार्ग 167 को चार लेन बनाने की परियोजना को 3175 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। इससे नगरों से गुजरने वाली भीड़भाड़ कम होगी, माल ढुलाई तेज होगी और क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। साथ ही दिल्ली एनसीआर में नोएडा मेट्रो के सेक्टर 142 से बोटैनिकल गार्डन तक 11.56 किमी के विस्तार को स्वीकृति दी गई है। आठ नए स्टेशन बनेंगे।

# क्वाड समिट कभी कैंसिल नहीं हुआ: जयशंकर

### भारत-यूएस ट्रेड डील के बाद अटकलों पर जयशंकर ने लगाया विराम

**नईदिल्ली।** भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद क्वाड शिखर सम्मेलन को लेकर जारी अटकलों पर अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विराम लगा दिया है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में उन्होंने स्पष्ट किया कि क्वाड शिखर सम्मेलन कभी रद्द नहीं हुआ था।

शनिवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जब विदेश मंत्री से क्वाड शिखर सम्मेलन को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, क्वाड में केवल शिखर स्तर की बैठकें न होने को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि क्वाड की अन्य सभी प्रक्रियाएं जारी हैं। जयशंकर ने बताया कि क्वाड के भीतर सहयोग निरंतर जारी है। उन्होंने कहा, अमेरिकी विदेश मंत्री बनने के दिन ही सेक्रेटरी रुबियो के साथ पहली बैठक क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के रूप में हुई थी। इसके बाद जुलाई में वॉशिंगटन में एक और क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई।

जयशंकर ने कहा कि अब तक दो बार क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक हो चुकी है और बाकी तंत्र भी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्वाड समिट कभी कैंसल नहीं हुआ है। इसे विशेष रूप से शेड्यूल ही नहीं किया गया था। हां, यह नहीं हो पाया, लेकिन मैं इसे क्वाड की प्रक्रिया पर असर के रूप में नहीं देखता। विदेश मंत्री ने कहा, आगे की जानकारी के लिए जुड़े रहिए।

2007 में पहली बार क्वाड समिट की पहल की गई थी। उस समय चार देशों में जिसमें भारत, अमेरिका जापान और ऑस्ट्रेलिया ने अपनौपचारिक रणनीतिक संवाद शुरू किया था। हालांकि कई सालों तक यह ठंड बस्ते में पड़ा रहा। साल 2017 में फिर से इसे सक्रिय किया गया, 2021 में पहली बार शीर्ष नेताओं के स्तर पर वर्जुअल शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

क्वाड को बनाने का उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, सप्लाई चेन, महत्वपूर्ण तकनीकों और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर सहयोग रहा है। हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद क्वाड पर जयशंकर का यह पहला सार्वजनिक बयान माना जा रहा है, जिसे कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पावन महाशिवरात्रि के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महाशिवरात्रि आस्था, साधना और आत्मचिंतन का पावन पर्व है। यह पर्व हमें संयम, सेवा, त्याग और समर्पण की भावना से जीवन जीने की प्रेरणा देता है। भगवान शिव का जीवन करुणा, धैर्य और लोकमंगल का प्रतीक है, जो हमें समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है।

### कांग्रेस के इस पूर्व सीएम को शुभ मानते हैं बीजेपी नेता, ओपी चौधरी ने कहा-

# हम चाहते हैं इनके पैर असम में भी पड़े

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी की ड्यूटी असम विधानसभा चुनाव में चली है। ओपी चौधरी ने कहा कि हम सब बीजेपी के साधारण कार्यकर्ता हैं। मेरी, डेप्युटी सीएम अरुण साव और केंद्रीय मंत्री तोखन साहू की असम विधानसभा चुनाव में ड्यूटी लगाई गई है। हम वहां आम कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक नेता को 8 से 10 विधानसभा सीट की जिम्मेदारी दी गई है।

#### जीत का किया दावा

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि असम ही नहीं आने वाले समय में जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। उन

सभी जगहों पर बीजेपी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता यह समझ चुकी है कि विकास कौन सी पार्टी कर सकती है।

मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, सब कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं, अभी असम में चुनाव होने वाले हैं इसलिए अरुण साव, मेरी और सभी नेताओं की ड्यूटी लगी है। वहां हम कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं, पूरी शिद्दत के साथ परिश्रम कर रहे हैं। निश्चित रूप से अभी जितने राज्यों में चुनाव होने है चाहे बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडू की बात हो इन सभी जगहों पर भाजपा की जीत होगी।

#### भूपेश बघेल पर हमला

ओपी चौधरी ने कहा कि-हम तो चाहते हैं कि भूपेश बघेल के भी पांव असम में पड़े क्योंकि उनके पांव जहां पड़ते हैं वहां कांग्रेस का सफाया हो जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हो या फिर पंजाब या असम भूपेश बगेल के कदम जहां भी पड़ते हैं वहां बीजेपी को फायदा होता है।

#### भूपेश बघेल को दी है जिम्मेदारी

असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस ने भूपेश बघेल के साथ डीके शिवकुमार और बंधु तर्की को असम चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बता दें कि भूपेश बघेल अभी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं। कांग्रेस ने उन्हें पंजाब का प्रभार दिया है। इसके साथ छत्तीसगढ़ में भी एक्टिव हैं।

**प्रमुख समाचार**

## पीएम मोदी के रहते हमारी जीत रोक नहीं सकतीः हिमंता

**नईदिल्ली।** असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को चुनाव वाले असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की जीत को कोई रोक नहीं सकता। गुवाहाटी में भाजपा की %बूथ विजय संकल्प सभा% ??को संबोधित करते हुए हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य में विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री मोदी की

सराहना की, विशेष रूप से हाल ही में स्वीकृत ब्रह्मपुत्र नदी में गोहपुर और नुमालीगढ़ को जोड़ने वाली जलमग्न सुरंग का उल्लेख किया। उन्होंने इसे असम के लिए एक अकल्पनीय उपहार बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार हम रिकॉर्ड बनाते हुए जीतेंगे। जो हम चाहते थे, वह प्रधानमंत्री ने असम को दिया है। आज प्रधानमंत्री ने हमें ऐसा राजमार्ग दिया है जिस पर विमान उतर सकते हैं। कल केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोहपुर और नुमालीगढ़ को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में जलमग्न सुरंग के निर्माण के लिए 18,000 करोड़ रुपये आवंटित किए।

## राहुल व्यापार समझौतों पर फैला रहे हैं भ्रमः अमित शाह

**नईदिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बचाव किया और कहा कि इन समझौतों से भारत के मछुआरों को काफी लाभ होगा। शाह ने कांग्रेस

नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि रायबरेली के प्रधानमंत्री ने इन व्यापार समझौतों के किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में झूठे दावे फैलाए हैं। कराइकल में एक जनसभा में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से हमारे देश के मछुआरों को बहुत लाभ होने वाला है। शाह ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। वे झूठ बोलकर भ्रम फैलाना चाहते हैं।

## शंकराचार्य के बारे में अपमानजनक बोलना है पापः अखिलेश

**लखनऊ ।** सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना पाप है। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं। जब भाजपा के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी।अखिलेश

यादव ने जारी बयान में कहा कि जो महाकुंभ की मौतों पर सच्चे आंकड़े नहीं बताते हैं। कैश में मुआवजा देकर उसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता निकाल लेते हैं। वे किसी और के धर्म पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं रखते हैं। जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। उन्होंने कहा कि हाता नहीं भाता का ये विस्तारित रूप है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य जी पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज़ हो गया है। उनके इस बयान को हम निंदनीय कहें तो निंदनीय शब्द को भी निंदनीय महसूस होगा। इनका बस चले तो जो विवादित फिल्म आई है, उसका नाम बदले बिना ही रिलीज भी कर दें और टैक्स फ्री भी कर दें। अगले चुनाव में वो समाज एक-एक वोट उनके खिलाफ डालकर अपने अपमान और उनके प्रदेश अध्यक्ष के नोटिस का सही जवाब देगा।

## डिब्रुगढ़ से कोलकाता जा रही फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

**कोलकाता।** शनिवार शाम में असम के डिब्रुगढ़ से कोलकाता आ रहे इंडिगो के विमान- 6ई6894 (ए-320) में भी बम होने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। कोलकाता में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रवक्ता राजेश कुमार ने बताया कि विमान के टायलेट के अंदर लिपस्टिक से

लिखा एक संदिग्ध संदेश मिला, जिसमें विमान में बम होने का खतरा बताया गया था।हालांकि विमान शाम 7.37 बजे कोलकाता हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से लैंड हुआ और तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार उसे तुरंत आईसोलेशन बे में ले जाया गया और गहन तलाशी ली गई। सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। अधिकारी के अनुसार, इस विमान में भी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।बताते चलें कि इससे पहले सुबह में कोलकाता से शिलांग जा रहे एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जिसके बाद विमान को कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'आईसोलेशन बे' (पृथक क्षेत्र) में ले जाया गया और गहन तलाशी ली गई।

## सरकार नहीं करेगी शंकराचार्य का निर्धारण : अवधेश प्रसाद

**अयोध्या।** विधानसभा में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के ऊपर की गई सीएम योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी पर सांसद अवधेश प्रसाद ने पलटवार किया है। शनिवार को कलेक्ट्रेट में हुई बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह देश शंकराचार्य, संत-महात्मा व सूफी संतों का है। शंकराचार्य कौन

होगा, इसका निर्धारण सरकार नहीं करेगी। इसका निर्धारण समाज करता है। कहा कि जिसकी मान्यता साधु, शंकराचार्य, संत-महंत, वैरागी, महात्मा आदि के रूप में है, उसकी पहचान वहां के रहने वाले लोगों के बीच में होती है। इसका प्रमाण पत्र देने की किसी को जरूरत नहीं है। ऐसे महापुरुषों से उनका प्रमाण पत्र मांगना अत्यंत निंदनीय है। सरकार मुख्य मुद्दों पर कभी बात नहीं करती है। आज प्रदेश में जंगलराज कायम है। अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। बेरोजगारी चरम पर है। हर तरफ त्राहि-त्राहि मची है। किसान लगातार भुखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं, उनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है।

# ब्रह्मपुत्र पर प्रोजेक्ट बनाने वाले चीन को मोदी ने दिया जवाब

**नीरज कुमार दुबे**

मोदी सरकार पूर्वोत्तर को सामरिक और आर्थिक शक्ति का केंद्र मानकर योजनाएं बनाती है और स्वयं प्रधानमंत्री जिस तरह लगातार पूर्वोत्तर क्षेत्र के दौरों के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास की गति को रफ्तार देते हैं उसकी बदौलत हाल के वर्षों में यहां की दशा दिशा में बड़ा बदलाव आया है। आज भी असम के डिब्रुगढ़ के पास मोरान बाइपास पर चीन सीमा के करीब बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उतर कर बड़ा सामरिक संदेश दिया। साथ ही गोहपुर से नुमालीगढ़ तक प्रस्तावित चार लेन हरित मार्ग और ब्रह्मपुत्र के नीचे सड़क और रेल सुरंग परियोजना मिलकर सुरक्षा, संपर्क और समृद्धि की नई कहानी लिख रहे हैं। यह संयोग नहीं, स्पष्ट रणनीति है। मोरान बाइपास पर बना 4.2 किमी का सुदृढ़ खंड अब ऐसा राजमार्ग है जो कुछ ही मिनट में सैन्य रनवे में बदल सकता है। विशेष कंक्रीट से बनी यह पट्टी तेज गर्मी और भारी वजन सहने में सक्षम है। इस पर लड़ाकू विमान, भारी परिवहन विमान और हेलिकाप्टर उतर सकते हैं। यह दोहरे उपयोग वाली परिसंपत्ति है, जो शांति के समय जन सुविधा और संकट के समय सैन्य ताकत का आधार बनती है। प्रधानमंत्री का खुद इस पट्टी पर उतरना एक प्रतीक भर नहीं था। यह साफ संकेत था कि भारत अपनी सीमा सुरक्षा को लेकर सजग, सक्रिय और आत्मविश्वासी है। संदेश यह भी कि अब भारत पहले से तैयारी रखने वाला देश है। सीमा के पास तेज तैनाती, त्वरित रसद और वैकल्पिक हवाई पट्टियां किसी भी संघर्ष की स्थिति में खेल बदल सकती हैं।

यह सुविधा चीन सीमा से लगभग 300 किमी दूरी पर है। यदि किसी हालात में मुख्य हवाई अड्डे निशाने पर आएं, तो ऐसी पट्टियां वायु सेना को संचालन जारी रखने का विकल्प देती हैं। अलग अलग राजमार्गों पर ऐसे बिंदु बनाकर भारत एक तरह का फैलाव आधारित वायु रक्षा जाल तैयार कर रहा है, जिसे निष्क्रिय करना किसी भी विरोधी के लिए कठिन होगा।

इसका महत्व केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। बाढ़, भूकंप या किसी

आपदा के समय यही पट्टियां राहत का जीवन मार्ग बन सकती हैं। भारी विमान सीधे राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा सहायता लेकर दूर दराज इलाकों तक पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर जैसे संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में यह क्षमता अमूल्य है।

अब बात दूसरी बड़ी पहल की। केंद्र सरकार ने गोहपुर से नुमालीगढ़ तक लगभग 33.7 किमी लंबे चार लेन नियंत्रित हरित मार्ग को मंजूरी दी है। इसकी लागत 18,662 करोड़ रुपए है। इस परियोजना का सबसे साहसिक हिस्सा है ब्रह्मपुत्र के नीचे 15.79 किमी लंबी टिवन ट्यूब सड़क और रेल सुरंग। यह केवल इंजीनियरिंग का कमाल नहीं, रणनीतिक सोच का उदाहरण है।

अभी गोहपुर से नुमालीगढ़ पहुंचने में करीब 240 किमी और छह घंटे लगते हैं। नया मार्ग समय और दूरी दोनों घटाएगा। इससे असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अन्य राज्यों में माल ढुलाई तेज होगी, लागत घटेगी और व्यापार बढ़ेगा। यह मार्ग कई आर्थिक केंद्र, पर्यटन स्थल, रसद बिंदु, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे और जलमार्ग टर्मिनल को जोड़ेगा। अनुमान है कि इससे लाखों मानव दिवस का रोजगार बनेगा।

इस परियोजना का सामरिक अर्थ भी गहरा है। चीन अक्सर ब्रह्मपुत्र पर या उसके आसपास नई जल और ढांचा परियोजनाओं की घोषणा करता रहा है, जिससे निचले क्षेत्रों में चिंता पैदा होती है। ऐसे माहौल में भारत का ब्रह्मपुत्र के नीचे टिवन ट्यूब सुरंग बनाना एक मजबूत संदेश है। भारत दिखा रहा है कि वह नदी को डर या विवाद का विषय नहीं, बल्कि विकास और संपर्क का माध्यम मानता है। नदी के ऊपर ही नहीं, नीचे से भी संपर्क मजबूत किया जा सकता है। यह कदम यह भी बताता है कि भारत पूर्वोत्तर को स्थायी रूप से देश की मुख्यधारा के ढांचे से जोड़ना चाहता है। तेज सैनिक आवाजाही, बेहतर रसद, मजबूत आर्थिक संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा, सब एक साथ साधे जा रहे हैं। यह बहुस्तरीय सोच ही किसी क्षेत्र को हाशिये से केंद्र में लाती है। सच यह है कि लंबे समय तक पूर्वोत्तर को नीति में उतनी प्राथमिकता नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी। कठिन भूगोल और कम आबादी को बहाना बनाया गया। पर अब ढांचा निर्माण की रफ्तार बदली है। सड़क, रेल, हवाई संपर्क और डिजिटल ढांचा, हर दिशा में काम दिखता है। यह बदलाव केवल कागज पर नहीं, जमीन पर दिख रहा है।मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर को रणनीतिक नजर से देखने की नीति अपनाई है। सुरक्षा और विकास को अलग अलग खाने में नहीं, एक साथ रखा गया है।

# 6 नक्सल प्रतीकों को सुरक्षाबलों ने किया ध्वस्त

**■ इधर ताड़पाला हिल्स से आईईडी समेत कई विस्फोटक बरमाद**

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में बीजापुर के थाना मोदकपाल और थाना उसूर के इलाकों में दो अहम कार्रवाई की गई है।

मोदकपाल और सीआरपीएफ जवानों की संयुक्त टीम ने शनिवार को कार्रवाई में 6 माओवादी स्मारक को धवस्त किया गया है। इससे पहले शुक्रवार ताड़पाला हिल्स एरिया में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए विस्फोटक सामाग्री को बरामद किया है। ग्राम पंगुड़ में ष्टक्रक्रक्त बी/62 वाहिनी नुकनपाल और मोदकपाल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान के दौरान चलित थाना लगाया गया। इस दौरान जवानों ने ग्रामीणों की शिकायतें और समस्याओं को सुना। ग्रामीणों को सायबर जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। लोगों ने भारत माता की जय के नारों के साथ सुरक्षा बलों का उत्साहवर्धन किया।

थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत केरिपु 196 वाहिनी और कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने ताड़पाला हिल्स एरिया में सघन नक्सल अभियान अभियान चलाया। कार्रवाई में जवानों ने दो अलग-अलग स्थानों से डंप के अंदर से प्लास्टिक ड्रम और पॉलिथिन में छिपाकर रखी कई विस्फोटक सामग्री, राशन और अन्य माओवादी सामग्री को बरामद किया। डंप से क्या-क्या मिला डेटोनेटर - 13 नग, गन पावडर - 11 किलोग्राम, प्लास्टिक ड्रम - 04 नग, स्टील ड्रम 02 नग, लोहे का ड्रम -02 नग, माओवादी वर्दी, जूते, कैप, डोरी, यूएसबी केबल, सोलर प्लेट एवं अन्य माओवादी साहित्य एरिया डॉमिनेशन के दौरान माओवादियों द्वारा जमीन में लगाकर रखे गये 13 नग बीयर बॉटल में प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाए गये आईईडी और 1 नग डायरेक्शन आईईडी (लोहे के पाइप में निर्मित) मौके से बरामद किए गए।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा टेकमेटला कुंजामपारा क्षेत्र में निर्मित माओवादी स्मारक को भी ध्वस्त किया गया।

# अंजुमन इस्लामिया का एलान, नशा से जुड़े परिवारों का होगा सामाजिक बहिष्कार

**जशपुर।** युवाओं में बढ़ते नशे की लत, उससे बर्बाद होती जिदगियां और बिगड़ते पारिवारिक हालात को लेकर अंजुमन इस्लामिया जशपुर ने समाज सुधार की दिशा में एक बड़ा और साहसिक कदम उठाया है। सामाजिक मीटिंग को संबोधित करते हुए अंजुमन के सदर (अध्यक्ष) महबूब अंसारी ने साफ एलान किया कि नशा करने या नशे के अवैध कारोबार से जुड़े परिवारों का अब सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। सदर महबूब अंसारी ने कहा कि बच्चों को सही राह दिखाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज से पहले उनके माता-पिता और परिवार की होती है। बच्चा अपना अधिकांश समय परिवार के बीच बिताता है, ऐसे में उसकी गतिविधियों पर नजर रखना मां-बाप की जिम्मेदारी है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि कई युवा देर रात तक घर से बाहर रहते हैं, गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त होते हैं और परिवार यह सब जानते हुए भी चुप रहता है। नशे के कारोबार से कमाया गया पैसा खुलेआम खर्च होता है, लेकिन कहां से पैसा कमाया, इसपर सवाल नहीं उठाए जाते। ऐसे में केवल वह युवा ही नहीं, बल्कि आंख मूंदने वाले परिवार भी दोषी हैं। अंजुमन ने फैसला लिया है कि ऐसे मामलों में अब सख्ती बरती जाएगी। महबूब अंसारी ने कहा कि समाज का एक व्यक्ति भी अगर गलत राह पर चलता है तो उसकी बदनामी पूरे समाज को झेलनी पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि परिवार अपने बच्चों के उठने-बैठने, यारी-दोस्ती और गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें और ऐसे कार्यों को बढ़ावा दें जिससे समाज का नाम रोशन हो।

# बस्तर पर्यटन ने भरी नई उड़ान

## वर्षों से लंबित योजनाओं को मिली गति

**बस्तर।** प्राकृतिक सौंदर्य, झरनों की कलकल ध्वनि, घने वनों की हरियाली और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण बस्तर अंचल अब पर्यटन विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। जिन पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर लंबे समय से अपेक्षाएँ थीं, वहाँ अब चरणबद्ध तरीके से आधारभूत एवं आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राज्य शासन और पर्यटन विभाग के समन्वित प्रयासों से बस्तर के पर्यटन परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देने लगा है। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, दंतेवाड़ा, बारसूर, नारायणपुर और कोंडागांव सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर सड़क संपर्क को बेहतर किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, आधुनिक शौचालय, विश्राम शेड, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया है। साथ ही, पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु सूचना केंद्र एवं हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। प्रमुख स्थलों पर आकर्षक व्यू-पॉइंट, सेल्फी जोन और सौंदर्यीकरण कार्यों से इन स्थलों की भव्यता और बढ़ी है। जगदलपुर में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटकों को आवास, स्थानीय भ्रमण, गाइड सुविधा और अन्य आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान और प्रचार-प्रसार के आधुनिक माध्यमों का उपयोग कर पर्यटन सेवाओं को अधिक सुगम बनाया गया है।

पर्यटन विकास का सबसे सकारात्मक प्रभाव स्थानीय युवाओं के रोजगार पर पड़ा है। गाइड प्रशिक्षण, आतिथ्य सेवा, साहसिक पर्यटन गतिविधियों और होम-स्टे योजना के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। स्थानीय हस्तशिल्प, बेलमेटल कला, टेराकोटा और जनजातीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। पर्यटन विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र, हरित पट्टी विकास और जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों से बस्तर की प्राकृतिक पहचान को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक स्थलों से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से भी है। बस्तर दशहरा, मड़ई महोत्सव और लोकनृत्य आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे देश-विदेश के पर्यटक बस्तर की अनूठी परंपराओं से परिचित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग द्वारा बस्तर के समग्र विकास हेतु दीर्घकालीन मास्टर प्लान के अंतर्गत योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। भविष्य में साहसिक पर्यटन, इको-टूरिज्म, वाइल्डलाइफ टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को और सशक्त बनाने की दिशा में पहल जारी है। स्थानीय नागरिकों, पर्यटन व्यवसायियों और आगंतुकों ने इन विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि बस्तर आने वाले वर्षों में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। बस्तर का पर्यटन क्षेत्र अब नई ऊर्जा, नई सोच और समन्वित प्रयासों के साथ आगे बढ़ रहा है। सुविधाओं के विस्तार और सतत विकास की इस पहल से न केवल पर्यटकों का अनुभव बेहतर होगा, बल्कि स्थानीय समाज और अर्थव्यवस्था को भी स्थायी लाभ प्राप्त होगा।

# अराधना रुरल हेल्पेज फाउंडेशन ने राज्य स्तरीय नशा मुक्ति युवा मैराथन में विजेताओं को 60000 का पुरस्कार वितरण किया




**सारंगढ़।** सारंगढ़ अराधना रुरल हेल्पेज़ फाउंडेशन सारंगढ़ द्वारा राज्य स्तरीय नशामुक्त युवा मैराथन का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग से भारत माता चौक से रेडा गांव तक 08 किलोमीटर हाफ मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें जिला प्रशासन के तरफ से समाज कल्याण विभाग सारंगढ़ बिलाईगढ़, राम तिवारी सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी सारंगढ़, सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी शकौशल ठेठवार, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ फकीरा यादव, समाजसेवी नंदकिशोर केजरीवाल, वरिष्ठ अब्बास अली, श्याम सुंदर तायल, नत्थू केडिया, शंकर तायल, घनश्याम बंसल, इन्द्रजीत मनहर, तिवारी , सारंगढ़ पुलिस, स्वास्थ्य विभाग से जे.एस.एम मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के संचालक मनजीत सिंह तथा उनकी टीम सेवा दे रहे थे। अराधना फाउंडेशन के तरफ से श्रीमती चितकुंवर राव डायरेक्टर के द्वारा फाउंडेशन में किए गए कार्यों को बताते हुए स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया इस कार्यक्रम में हरे कृष्णा साहू कार्यक्रम अधिकारी, राजकुमार जांगड़े कार्यक्रम अधिकारी और एन.एस.एस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामजी तिवारी के द्वारा किया गया। मैराथन कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर आशुतोष कुमार भिलाई को 21 000 ट्रॉफी टी शर्ट आराधना बैग मेडल प्रमाण पत्र के साथ जिला प्रशासन के अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान पर सुरेश कुमार रतनपुर को 11000 ट्रॉफी बैग टी-शर्ट मेडल प्रमाण पत्र के साथ अधिवक्ता विभूति हरिनाथ खूंटे के द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं तीसरे स्थान पर मनीष कुमार छपोरा को 5000 तथा ट्रॉफी बैग प्रमाण पत्र मेडल टी-शर्ट के साथ सारंगढ़ शहर के समाजसेवी नंदकिशोर केजरीवाल ,अब्बास अली के द्वारा सम्मानित किया गया। चतुर्थी स्थान पर राजेश मरावी बिलासपुर को 2000 तथा पंचम स्थान पर भोजराम साहू को 1500 छठवां स्थान पर सूरज निषाद बालोद को ?1000 सातवां स्थान अनिल यादव जांजगीर को 1000 आठवां स्थान यशराज गगोरी को1000 नवां स्थान अरुण कुमार कश्यप सलखान को 1000 और दसवा पुरस्कार अनुराग श्रीवास जांजगीर को 1000 के साथ मेडल बैग टी-शर्ट प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

# पुलवामा अटैक के शहीदों को श्रद्धांजलि

**कोंडागांव।** केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ की 188 बटालियन, कोंडागांव ने पुलवामा अटैक की बरसी पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बटालियन के कमांडेंट के नेतृत्व में स्थानीय शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जवानों के साथ स्कूली बच्चे, शिक्षक और स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए। इस दौरान सीआरपीएफ कमांडेंट ने अपने संबोधन में कहा कि आज ही के दिन वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 वीर जवानों ने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि उन शहीदों की वीरता और समर्पण सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। कार्यक्रम के दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कोंडागांव स्थित यह शहीद स्मारक उन 460 अधिकारियों और जवानों की स्मृति में निर्मित है, जिन्होंने छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। उनका बलिदान नक्सल उन्मूलन की दिशा में सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है- भावेश चौधरी, कमांडेंट,सीआरपीएफ 188 बटालियन कोंडागांव भारत सरकार के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कमांडेंट ने कहा कि सीआरपीएफ 31 मार्च तक छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को नक्सल मुक्त बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और भविष्य में किसी भी प्रकार के आतंकवाद या नक्सलवाद की चुनौती का सामना करने के लिए सीआरपीएफ अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहेगी।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपना संकल्प दोहराया।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## नियमों का उल्लंघन करने वाले कारखानों पर कार्रवाई

**रायगढ़।** जिले में औद्योगिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए पांच कारखानों के विरुद्ध दायर आपराधिक प्रकरणों में कार्रवाई की है। कार्यालय उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संभाग रायगढ़ द्वारा विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में हुई दुर्घटनाओं के निरीक्षण के दौरान पाए गए उल्लंघनों के आधार पर कारखाना अधिनियम, 1948 एवं संबंधित नियमों के तहत कारखानों के विरुद्ध 05 आपराधिक प्रकरण श्रम न्यायालय रायगढ़ में प्रस्तुत किए गए थे। इन प्रकरणों का निराकरण जनवरी 2026 में करते हुए न्यायालय ने संबंधित अधिभोगियों एवं प्रबंधकों पर लाखों रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है। जानकारी के अनुसार, मेसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, यूनिट-4, एमएलएसएम, खरसिया रोड, रायगढ़ में कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 7 ए (2)(डी) के उल्लंघन पर अधिभोगी को 70 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। वहीं धारा 21(1)(4) के उल्लंघन पर प्रत्येक को 1 लाख 60 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

## धनिया की फसल लेने के लिए किया जा रहा प्रोत्साहित

**राजनांदगांव।** जिले में उद्यानिकी फसलों की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। ग्रीष्मकालीन धान के बदले धनिया की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम जंगलेसर के किसान श्री दौलतराम साहू ने 2.5 एकड़ में धनिया की फसल लगाई है। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग से इसके लिए मदद मिली है तथा 20 किलो धनिया बीज प्राप्त हुआ है। फसल चक्र परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह फसल लगाई है। विशेषकर फल धनिया से उन्हें मार्च- अप्रैल में इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण के बहुत से लाभ है। धान की फसल की अपेक्षा धनिया की खेती में कम पानी लगता है। भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ती है, लागत कम आती है और बीमारी कम होती है। धान की फसल की तुलना में अन्य फसलों से अधिक लाभ हो रहा है। शासन द्वारा चना, सरसों एवं अन्य फसलों की भी खरीदी करने की घोषणा की गई है, जिससे किसानों को और भी लाभ होगा।

## होली से पहले समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को मिलेगी अंतर राशि

**राजनांदगांव।** मंत्रिपरिषद ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। किसानों ने यह खुशखबरी मिलने पर हर्ष व्यक्त किया। राजनांदगांव विखं के ग्राम भंवरमरा के किसान रामावतार सिन्हा ने कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठक में होली के पहले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। ग्राम मुसराकला के किसान कंवल निर्मलकर ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष 28 क्विंटल धान की बिक्री की है। सरकार ने धान खरीदी केन्द्रों में अच्छी व्यवस्था की थी, ताकि किसानों को कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया कि धान बिक्री की राशि धाते में समय पर प्राप्त हो गई है, इसके लिए प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय को आधार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सभी किसान होली पर्व के पहले अंतर की राशि मिलने से होली का त्यौहार अच्छे से मना पाएंगे।

## हत्या के मामले में दोषी युवक को मिली उम्रकैद की सजा

**खैरागढ़।** थाना खैरागढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिरावाही में वर्ष 2023 में हुई एक हत्या के मामले में न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय के फैसले के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, 1 मार्च 2023 की रात करीब 11 बजे ग्राम हिरावाही स्थित तालाब में चौकीदारी कर रहे अशोक बर्मन और मोहन राय तालाब पार बनी झोपड़ी में भोजन कर रहे थे। इसी दौरान धनंजय बाग उर्फ भाईजान उर्फ सोनू ने वहां पहुंचकर दोनों पर पैसे चोरी करने का आरोप लगाया और विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने अशोक बर्मन के साथ मारपीट की और उसे दौड़ाकर तालाब में ले जाकर पानी में डुबो दिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना खैरागढ़ में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी को तालाब के पास से हिरासत में लिया गया। आरोपी के भीगे कपड़े और घटना में प्रयुक्त किए गए डंडे को मौके से जब्त किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

## आआईटी के प्रशासनिक भवन का होगा उन्नयन

**रायगढ़।** जिला प्रशासन द्वारा खनिज उत्खनन प्रभावित एवं सुदूर वनांचल विकासखंड घरघोड़ा में संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई के प्रशासनिक भवन और मुख्यमंत्री युवा केंद्र को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की जा रही है। आवश्यकता अनुसार जिला खनिज न्यास निधि डीएमएफ मद से अधोसंरचना सुधार, संधारण एवं मरम्मत कार्य कराए जाएंगे, ताकि क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने घरघोड़ा एवं तमनार विकासखंड का सघन दौरा कर राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय आईटीआई प्रशिक्षण केंद्र के प्रशासनिक भवन एवं परिसर का अवलोकन किया। कलेक्टर ने अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनके पाठ्यक्रमए प्रशिक्षण व्यवस्था एवं भविष्य के रोजगार अवसरों की जानकारी ली।

# इस सीजन एक भी आगजनी न हो, बलौदाबाजार वनमंडल का लक्ष्य

## बलौदाबाजार वन विभाग ने संकल्प लिया कि 15 फरवरी से 15 जून तक अग्नि सीजन 2026 में एक भी आगजनी की घटना न हो



बलौदाबाजार। वनों को अग्नि जैसी आपदा से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बलौदाबाजार वनमंडल में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। 13 फरवरी 2026 को देवपुर वन परिक्षेत्र स्थित देवपुर नेचर कैंप में वनमंडलस्तरीय वन अग्नि सुरक्षा एवं प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आगामी अग्नि सीज़न को ध्यान में रखते हुए एक समन्वित और जनभागीदारी आधारित रणनीति तैयार करने का प्रयास रही।वनमंडल अधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देश और उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला ने साफ संदेश दिया कि अब लक्ष्य केवल आग बुझाना नहीं, बल्कि आग लगने से पहले ही उसे रोकना है। वन विभाग ने इस बार संकल्प लिया है कि 15 फरवरी से 15 जून तक चलने वाले अग्नि सीजन 2026 में एक भी आगजनी की घटना न हो।

कार्यशाला में ग्रामीणों, वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और वन अमले को एक मंच पर लाया गया। यह स्पष्ट किया गया कि वनाग्नि की समस्या केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, यदि समाज साथ नहीं आएगा तो जंगलों को पूरी तरह सुरक्षित रखना संभव नहीं होगा। देवपुर नेचर कैंप का प्राकृतिक वातावरण इस आयोजन के लिए उपयुक्त साबित हुआ। खुले मंच पर आयोजित सत्रों में वन अधिकारियों ने आग के कारणों, प्रभावों और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। ग्रामीणों से सीधे बात कर उनके अनुभव भी साझा किए गए। कार्यशाला में बताया गया कि अधिकांश वनाग्नि की घटनाएं मानवजनित होती हैं। इनमें लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। महुआ संग्रह के दौरान जमीन पर गिरे फूलों को साफ करने के लिए आग लगाना, खेतों में पराली या सूखी घास जलाना, जंगल किनारे बीड़ी-सिगरेट के अवशेष फेंक देना, जानबूझकर शिकार या अन्य गतिविधियों के लिए आग लगानै, ये सभी कारण जंगलों के लिए खतरा बनते हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि एक छोटी सी चिंगारी भी सूखे मौसम में बड़े अग्निकांड का रूप ले सकती है। इसलिए सतर्कता ही सबसे प्रभावी उपाय है। समय पर सूचना और त्वरित कार्रवाई से नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। वन अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के जरिए बताया कि आग केवल पेड़ों को नहीं जलाती, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करती है। वन्यजीवों का आवास नष्ट हो जाता है, पक्षियों के घोंसले जल जाते हैं, छोटे जीव-जंतु मर जाते हैं। आग से मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत नष्ट होती है, जिससे मृदा की उर्वरता कम होती है। जल स्रोत सूखने लगते हैं और भूजल स्तर पर भी असर पड़ता है। विशेष रूप से यह बताया गया कि लगातार आग लगने से वन पुनर्जीवन की क्षमता घटती है और जैव विविधता पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ता है। इसलिए आग की रोकथाम केवल एक मौसमी कार्य नहीं, बल्कि दीर्घकालीन पर्यावरण संरक्षण का हिस्सा है।

कार्यशाला को केवल औपचारिक चर्चा तक सीमित नहीं रखा गया। विद्यार्थियों को भी इसमें सक्रिय भागीदारी का अवसर दिया गया। विभिन्न स्कूल और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए नुक्कड़ नाटक और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने वनाग्नि के कारणों और उसके दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से पेश किया।

# गोदावरी सोलर प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों का धरना, विधायक भी धरने पर बैठी

**महासमुंद।** जिले के सरायपाली ब्लॉक के ग्राम जंगलबेड़ा में लगने वाले गोदावरी सोलर प्लांट का विरोध लगातार जारी है।

बीती रात प्लांट लगने के विरोध में ग्रामीण और सरायपाली की कांग्रेस विधायक चातुरी नंद पूरी रात एसडीएम कार्यालय के बाहर बैठे रहे। ग्रामीणों ने जमकर गोदावरी सोलर प्लांट के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों के समर्थन में विधायक चातुरी नंद भी पूरी रात एसडीएम कार्यालय में धरने पर बैठी रही। जिनका प्रदर्शन अभी भी जारी है। कल शाम 4 बजे ग्रामीण और विधायक विरोध में एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे, बात नहीं बनने पर सभी पूरी रात धरने पर बैठे रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### आबकारी दफ्तर में आग : सीएम साय ने बैज के आरोपों पर किया पलटवार

**रायपुर।** राजधानी के लाभांडी स्थित आबकारी भवन में आग लगने की घटना में विपक्ष के आरोपों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने पीसीसी चीफ दीपक के घटना को साजिश बताने पर करारा पलटवार किया और कहा कि इतने बड़े पद में बैठे लोगों को आरोप लगाने से पहले तहकीकात में जाना चाहिए। इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाकर अपनी ही सोच हल्की होती है। मुख्यमंत्री साय ने महत्वपूर्ण दस्तावेज जानबूझकर जलाने के आरोपों पर कहा कि कोई दस्तावेज नहीं जले हैं। यह सही है कि आग लगी थी। लेकिन महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री साय शनिवार से जशपुर और रायगढ़ जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। दौरे पर रवाना होने से पहले सीएम साय ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने खुशहाली की कामना करते हुए कहा- सभी पर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद बना रहे। सब के घर में सुख समृद्धि हो।

### मुनिसुब्रत नाथ भगवान का मोक्ष दिवस मनाया गया

**रायपुर।** अमलतास केसल, कचना स्थित श्री मुनिसुब्रत नाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जैन संप्रदाय के 20 वे तीर्थंकर 1008 श्री मुनिसुब्रत नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक (निर्वाण दिवस) भाई सुरेश मोदी के दिशा निर्देश में मनाया गया। उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी। शनिवार ,फाल्गुन बदी बारस को मंदिर जी में प्रतिष्ठित मूल प्रतिमा 1008 श्री मुनिसुब्रत नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक ( निर्वाण दिवस ) पर्व पर 108रिद्धि कलशों से मस्तकाभिषेक हुआ। जिसमें सभी धर्मानुरागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। तत्पश्चात मूल नायक मुनिसुब्रत नाथ भगवान की शांति धारा का पुण्य लाभ धर्म श्रेष्ठी श्री अजय कुमार भरत कुमार रावका एवं विक्रम जी सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। भाई सुरेश मोदी ने बताया कि मुनिसुब्रत नाथ भगवान ने अपने समस्त कर्मों का क्षय कर तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी स्थित निर्जर कूट से अनगिनत मुनि, आर्यिका, श्रावक एवं श्राविकाओं सहित मोक्ष पद को प्राप्त किया था । हम सभी धर्मानुरागी यही भावना भाते है कि जिस तरह प्रभु ने अपने कर्मों को काटा उसी तरह हम भी दिगम्बरत्व को धारण कर सम्यक दर्शन , सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र को अंगीकार कर मोक्ष लक्ष्मी को प्राप्त करे।

### 22 तारीख को प्रस्तावित सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द!

**रायपुर।** बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी के रायपुर में 22 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर नई जानकारी सामने आई है। अब साफ हो गया है कि सनी लियोनी का राजधानी दौरा नहीं होगा। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की एडिशनल डीसीपी (मध्य) ने स्पष्ट किया है कि इस इवेंट के लिए पुलिस प्रशासन से किसी भी प्रकार की आधिकारिक अनुमति नहीं ली गई है। ऐसे में यदि बिना अनुमति कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, तो संबंधित आयोजकों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पहले यह चर्चा थी कि सनी लियोनी 22 तारीख को रायपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैली, जिसके बाद कई लोगों ने इसका विरोध जताया। हिंदूवादी संगठन बजरंग दल ने भी आयोजन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी थी कि शहर में ऐसा कोई कार्यक्रम होने नहीं दिया जाएगा। संगठन का कहना था कि इस प्रकार का आयोजन सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से उचित नहीं है और इसका नकारात्मक असर युवाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि वे ऐसे किसी भी कार्यक्रम का विरोध करेंगे और यदि इससे कोई अप्रिय स्थिति बनती है तो उसकी जिम्मेदारी आयोजकों की होगी।

### धमतरी सड़क दुर्घटना में जवानों के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शनिवार को धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

# नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री हुए शामिल

■ सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर प्रवास के दौरान दुलदुला विकास खंड के ग्राम सिरीमकेला स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पावन प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के एक दिन पूर्व आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन को उन्होंने श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम सिरीमकेला में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए सुदृढ़ आधार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कल हम सब महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएंगे और इस अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि सिरीमकेला में भक्तों और अपने परिवारजनों के बीच आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है। भक्ति और श्रद्धा के इस अनूठे आयोजन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सनातन परंपरा को पुनर्स्थापित करते हुए अयोध्या धाम दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्राएँ करा रही है। श्रवण कुमार के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करते हुए अब तक प्रदेश के 42 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को श्रीरामलला के दर्शन कराए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या धाम में श्री रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आज ध्वज लहरा रहा है। प्रत्येक राम भक्त की आस्था 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही — यह एक ऐसा यज्ञ था जिसकी लौ कभी नहीं डगमगाई। हम सब निमित्त मात्र हैं, जो अपने भांचा राम के दर्शन उनके भव्य मंदिर में कर रहे हैं और श्रद्धालुओं को करा पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नीलकंठेश्वर

महादेव का दर्शन पाकर वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। दशहरा पर्व के दिन नीलकंठ के दर्शन को अत्यंत शुभ माना जाता है और आज प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत यहाँ निरंतर दर्शन लाभ मिलना हम सबके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जशपुर में मधेश्वर महादेव स्थित हैं, जिसे लोक मान्यता के अनुसार एशिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग कहा जाता है। सनातन परंपरा में भक्ति का विशेष महत्व है और राज्य सरकार भक्तों का सम्मान करती है। सावन माह में भोरमदेव मंदिर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर हर वर्ष आस्था प्रकट की जाती है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहे जाने वाले राजिम त्रिवेणी संगम में इन दिनों राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन हो रहा है, जहाँ आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राजिम कुंभ कल्प की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित किया गया है, ऐतिहासिक बस्तर दशहरा की पहचान देश-विदेश तक है तथा छत्तीसगढ़ के पाँच शक्ति पीठों के विकास के लिए कार्य योजना बनाकर सतत कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और प्रकृति संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के इस पावन कालखंड में नीलकंठेश्वर महादेव की कृपा हम सभी पर बनी रहे, प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और विकास की नई धाराएँ प्रवाहित हों तथा छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक वैभव के साथ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे — यही उनकी हार्दिक कामना है। इस अवसर पर सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रणविजय सिंह जुदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जुदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साय, श्री कृष्णा राय, श्री पवन साय, श्री भरत सिंह, श्री अरविन्द प्रसाद साय, श्री कपिल देव साय, सरगुजा आईजी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, वनमंडलाधिकारी श्री शशि कुमार तथा महादेव मंदिर समिति के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# मंत्री के प्रयास से वनांचल के सुदूर टोलों में पहुंचेगी बिजली

■ 3 करोड़ से अधिक की राशि हुई स्वीकृत

**रायपुर।** जंगलों के बीच बसे जिन टोलों ने पीढ़ियों तक अंधेरे को अपनी नियति मान लिया था, वहां अब उजाले की पहली किरण पहुंचने जा रही है।सूरजपुर जिले के ओडग़ी विकासखंड के तीन सुदूर ग्रामों में आज़ादी के दशकों बाद पहली बार नियमित बिजली पहुंचाने के लिए 3 करोड़ 6 लाख 92 हजार 670 रुपये की बड़ी स्वीकृति जारी की गई है। यह महत्वपूर्ण पहल महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है।

सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मसंकी, बांक और असुरा के कई मजरा-टोले अब तक मुख्य विद्युत लाइन से कटे हुए थे। रात ढलते ही यहां घना अंधेरा छा जाता था और ग्रामीण ढिबरी या सीमित सोलर लाइट के सहारे जीवन यापन करने को विवश थे। बच्चों की पढ़ाई, किसानों का कार्य और

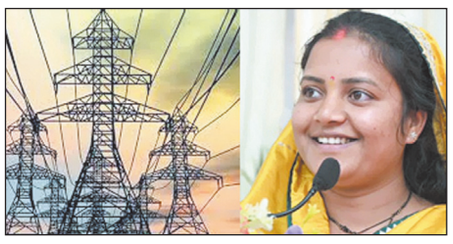

सामान्य जनजीवन अंधेरे की मार झेल रहा था। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ऊर्जा विभाग और राज्य स्तर पर पहल कर इन टोलों के विद्युतीकरण का प्रस्ताव आगे बढ़ाया।

मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत स्वीकृत इस राशि से ग्राम मसंकी के लुकभुकिया और पतेरीपारा, ग्राम बांक के खासपारा और स्कूलपारा तथा ग्राम असुरा के खासपारा, पण्डोपारा और असुरा-1 में विद्युत विस्तार कार्य किया जाएगा। करोड़ों की लागत से होने वाला यह कार्य न केवल घरों को रोशन करेगा, बल्कि शिक्षा, कृषि और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा।

सबसे बड़ी चुनौती वन भूमि की अनुमति थी। चूंकि संबंधित टोले घने जंगलों के बीच स्थित हैं, इसलिए विशेष स्वीकृति आवश्यक थी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर विभागीय स्तर पर आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया गया है और अब शीघ्र ही जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का कोई भी घर अंधेरे में न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्युत सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को अध्ययन में सुविधा मिलेगी, किसानों को कृषि कार्यों में सहूलियत होगी तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और लघु उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोडऩे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

# बाल चौपाल में बच्चों की निडर आवाज आयोग ने लिया त्वरित संज्ञान

**बिलासपुर।** जब बच्चे निडर होकर अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े प्रश्न पूछते हैं, तभी एक सशक्त समाज की नींव मजबूत होती है। इसी उद्देश्य के साथ 13 फरवरी को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी मीडियम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेलगहना, जिला बिलासपुर में बाल चौपाल का सफल आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराते हुए उन्हें जागरूक, आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सिंग के विद्यार्थियों ने जीवनरक्षक तकनीक सीपीआर का व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन किया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में बच्चे भी प्राथमिक सहायता प्रदान करने में सक्षम बन सकें। साथ ही नुक्कड़ नाटक, ज्ञान परीक्षा (क्विज), काउंसलिंग सत्र, प्रश्नोत्तरी एवं प्रेरक खेल गतिविधियों का समेकित आयोजन किया गया, जिससे बच्चों के बौद्धिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहन मिला।

बाल चौपाल के दौरान बेलगहना, कोटा क्षेत्र के बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं निडरता के साथ अपनी समस्याए अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा के समक्ष रखीं। विद्यार्थियों ने विद्यालय में शिक्षकों की कमी, जर्जर भवन की स्थिति, क्षेत्र में पेयजल समस्या, खेल मैदान से जुड़े मुद्दे तथा भविष्य में बेहतर शिक्षा हेतु क्षेत्र में कॉलेज की अनुपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न किए।

प्रतियोगिता के पहले दिन छत्तीसगढ़ को मिली सफलता

### 45वीं राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लक्ष्मी नारायण वर्मा को मिला कांस्य पदक

**रायपुर।** 13 से 15 फरवरी तक जबलपुर में आयोजित 45वीं राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में देशभर के 21 राज्यों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छत्तीसगढ़ से 40 सदस्यीय महिला एवं पुरुष दल ने विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में प्राथमिक शाला सिलयारी के प्रधान पाठक लक्ष्मी नारायण वर्मा ने चार वर्षों के लंबे संघर्ष और निरंतर अभ्यास के बाद पहली बार 55 प्लस आयु वर्ग की लंबीकूद स्पर्धा में 14 फीट 14 सेंटीमीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक प्राप्त किया। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए भी गौरव का विषय है।

प्रतियोगिता के पहले ही दिन छत्तीसगढ़ राज्य को शानदार सफलता मिली, जिसमें 6 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक, 10 कांस्य पदक प्राप्त हुए।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर दल के कोच श्री गुलाब नंद एवं मैनेजर श्री अशोक राव ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की आशा व्यक्त की।

# भाजपा ने घोषित किया आईटी सेल की प्रदेश कार्यकारिणी

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से आईटी सेल छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा शनिवार को की गई। जिसमें 6 सह संयोजक, 5 संभाग प्रभारी, 15 प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए गए है। इसके साथ ही एक कार्यालय प्रभारी और सह कार्यालय प्रभारी की भी नियुक्ति की गई है।

जारी कार्यकारिणी में संदीप उपारकर, अरुण साहू, संजय सोनी, प्रमोद सिंह, सौरम कौतू तथा विक्की रवानी सह संयोजक बनाए गए है। लोकेश पवार कार्यालय प्रभारी व शैलेश दीक्षित सह कार्यालय प्रभारी होंगे। पंकज आचार्य, भरत भंबवानी, पंकज श्रीवास्तव, सागर मयानी, तथा आशीष पटेल संभाग प्रभारी बनाए गए है। राहुल डूकरे, उरदों ठाकुर, श्रीमती मिनी पाण्डेय, अमित डोए, भरत ठक्कर, प्रीतपाल सिंह छाबड़ा, एजाज अहमद, सौरभ मिश्रा, श्रीमती वर्षा दवानी, सुश्री हेमा दीवान, करण कश्यप, मनीष सिंह, गौरव सिन्हा, रोशन साहू तथा सूर्यप्रताप सिंह प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य होंगे। उक्त जानकारी प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी डॉ. नवीन मारकण्डे ने दी।

# माता-पिता के आशीर्वाद से ही संतान अपने जीवन में ऊँचाइयों को प्राप्त करती है

■ गुरुकुल महिला महाविद्यालय में मातृ-पितृ दिवस पर भावनात्मक आयोजन

**रायपुर।** गुरुकुल महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में मातृ-पितृ दिवस का अत्यंत गरिमामय एवं भावनात्मक आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ संध्या गुप्ता ने कहा कि माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम गुरु हैं, जिनके त्याग, समर्पण और मार्गदर्शन से ही हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता के सम्मान और सेवा को जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य मानने की प्रेरणा दी। माता-पिता का स्नेह, त्याग और मार्गदर्शन ही संतान के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। उनके संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूँजी हैं।

डॉ. राजेश अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में भी हमें अपने माता-पिता के संस्कारों और अनुभवों को नहीं भूलना चाहिए।डॉ सीमा चंद्राकर ने कहा माता-पिता के आशीर्वाद से ही संतान अपने जीवन में ऊँचाइयों को प्राप्त करती है। उन्होंने मातृ-पितृ दिवस जैसे आयोजनों को भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर छात्राओं ने गीत, कविता पाठ के माध्यम से माता-पिता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को तिलक लगा कर, श्रीफल दे कर और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने का दृश्य अत्यंत मार्मिक रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्राओं द्वारा अपने भाव व विचारों को साझा किये और अपने माता पिता, शिक्षकों को धन्यवाद दिए। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन स्वयंसेवको ने सुव्यवस्थित रूप से संपन्न किया। यह आयोजन माता-पिता के प्रति सम्मान और संस्कारों के संरक्षण का एक सशक्त संदेश था।

# मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना एवं 'वजन त्यौहार' से बच्चों को मिला स्वास्थ्य संबल

■ 80 बच्चों की स्वास्थ्य जांच, 29 कुपोषित-अति कुपोषित बच्चों को तत्काल उपचार

**रायपुर।** प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी पहल के अंतर्गत कुपोषण उन्मूलन की दिशा में ठोस एवं परिणाममुखी कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित वजन त्यौहार अभियान के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत निगरानी कर उन्हें समुचित उपचार एवं पोषण परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

महासमुंद जिले में नयापारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 80 बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 29 बच्चे कुपोषित एवं अति कुपोषित श्रेणी में पाए गए, जिन्हें तत्काल आवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय परामर्श तथा पोषण

संबंधी उपचार उपलब्ध कराया गया। गंभीर रूप से प्रभावित बच्चों को नियमित फॉलोअप एवं आवश्यकता पड़ने पर पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती की जानकारी दी गई।

महासमुंद जिले में इसी क्रम में 9 से 18 फरवरी तक आयोजित वजन त्यौहार के अंतर्गत शहरी परियोजना क्षेत्र के डॉ. सुशील सैमुअल वार्ड (सेक्टर-01) में विशेष शिविर आयोजित कर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का वजन एवं ऊंचाई मापी गई। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कुपोषित एवं अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष पोषण आहार, चिकित्सा सुविधा एवं निरंतर निगरानी से जोड़ा गया। गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम एवं आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों के नियमित सेवन तथा संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई।

चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य दल द्वारा पालकों को संतुलित आहार की उपयोगिता, नियमित टीकाकरण, स्वच्छता, कृमिनाशक दवा सेवन, साफ पेयजल के उपयोग तथा दस्त-उल्टी जैसी स्थिति में त्वरित उपचार के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों के भोजन में दाल, हरी सब्जियां, दूध, अंडा, फल एवं मौसमी खाद्य पदार्थ शामिल करने की सलाह दी गई।पालकों को यह भी बताया गया कि जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला होते हैं। नियमित वजन-ऊंचाई मापन और पोषण प्रबंधन से एनीमिया एवं कुपोषण जैसी समस्याओं की प्रभावी रोकथाम संभव है।

अभियान के दौरान केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। देवार जाति की चार शाला त्यागी किशोरियों को पुन: विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु समझाइश दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। यह प्रयास बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने तथा सामाजिक समावेशन को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर का मूल्यांकन, आवश्यक दवा वितरण, परामर्श तथा गंभीर मामलों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर कर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। महासमुंद जिले में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कुपोषण उन्मूलन की दिशा में जनसहभागिता आधारित सशक्त वातावरण निर्मित हो रहा है।

**कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक**
**भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय, राजनांदगांव (छ.ग.)**

1015 09/02/26.

**।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।**

भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट 960 एल.पी.एम. (प्लांट नंबर-2) के सी.एम.सी. (एक वर्ष) हेतु वर्ष 2025-26 में खुली निविदा आंमत्रित किया जाना है। मुहरबंद निविदायें पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड कोरियर के माध्यम से उल्लेखित तिथि अनुसार आमंत्रित किया जाता है, जिसका नियम / शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन दिवस पर प्रात: 10.00 बजे से शाम 05.30 बजे तक भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.) के मुख्य भण्डार कक्ष से किया जा सकता है।

01. निविदा प्रपत्र मुल्य रू.- 1000/- (वापसी अयोग्य)।
02. निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभिक तिथि-12/02/2026 सुबह 10.00 बजे से।
03. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि- 13/03/2026 अपरान्ह 02.00 बजे तक।
04. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि- 13/03/2026 अपरान्ह 03.00 बजे तक।
05. निविदा खोले जाने की तिथि- 13/03/2026 सायं 04.00 बजे ।

भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव के कक्ष क्रमांक. 26 में।

**संयुक्त संचालक एव अधीक्षक**
**भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव ( छ.ग. )**

जी-252606663/2

# अविश्वास प्रस्तावों की कहानी

**डा. रमेश सैनी**

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। अब तक लोकसभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं। लोकसभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के विरुद्ध जे.बी. कृपालानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट और विरोध में 347 वोट पड़े थे। लेकिन 1978 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई की सरकार को गिरा दिया था। अब तक सर्वाधिक 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध रखे थे। सर्वाधिक अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए थे। इसके अलावा पी.वी. नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने 3-3 बार अविश्वास प्रस्तावों का सामना किया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गांधी की सरकार और दूसरी बार पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। संयोग की बात है कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के विरुद्ध भी 1996 व 1998 में दो बार अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वह दोनों बार हार गए थे। सन 2018 में नरेंद्र मोदी की सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप है कि वह विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है। अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे 'मोशन ऑफ रिमूवल' कहा जाता है। इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन 1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विघ्नेश्वर मिसिर यह प्रस्ताव लाए थे। इस प्रस्ताव पर लगभग दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था। सन 1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध दूसरा प्रस्ताव 1966 में हुकम सिंह के विरुद्ध लाया गया। वहीं तीसरी बार 1987 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह यह अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था। अब देखना यह है कि ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है, इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है।

# बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

**कमलेश पांडे**

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था।

चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश (2.1 बिलियन) बढ़ सकता है।

***बांग्लादेश में बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण।***

वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।

यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से बहुत मैत्रीपूर्ण चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है।

वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।

यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर बराबरी के रिश्ते चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां इंडिया-न्यूट्रल मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया—जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, बांग्लादेश फर्स्ट नारा यानी ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने री-अश्योरेंस सिग्नल माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

**पुराण दिग्दर्शन ....**

## सन्देहाभासनिकारणाध्यायः ( नौवां अध्याय )

**( गतांक से आगे... )**

प्रसिद्ध हिन्दू धर्मशास्त्र याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय स्त्री संग्रह प्रकरण में- अविरुद्धासु आदि श्लोक (की मिताक्षरा टीका) में लिखा है कि-

पशुवेश्याभिगमने प्राजापत्यं विधीयते ।

अर्थात्- पशु और वेश्या से मैथुन करने वाला पुरुष प्राजापत्य नामक प्रायश्चित्त करने से शुद्ध हो जाता है।

सो धर्मशास्त्र की रीति से तो साधारण उपवास एवं हवन, जाप आदि करने मात्र से ही वेश्यागमन पाप का प्रायश्चित्त हो जाना लिखा है, परन्तु वैश्यनाथ चरित्र में तो श्री वैश्यनाथ भगवान् शिवलिंग जल जाने के बहाने से स्वयं भी धधकती चित्ता में जल जाते हैं- अर्थात् -अपने जिस मायामय, वैश्य कलेवर द्वारा यह लीला सम्पादन की थी उस शरीर को अग्नि की भेंट कर डालते हैं, फिर भी उक्त आख्यान में पापाचार का अनहोना कलङ्क लगाना महा पामरता है।

यदि प्रतिवादी महाशय शिवपुराण के मूल शब्दों के अनुसार शिव भगवान् को निर्लेप एवं निरंजन ब्रह्म स्वीकार कर लें तब तो उक्त चरित्र के किसी भी अंश पर कुछ श्राक्षेप ग्रा ही नहीं सकता। वास्तव में वैश्यनाथ जी ने न महानन्दा के साथ पलंग पर शयन किया है और नाहीं उसका स्पर्श किया है केवल भक्ति परीक्षा के लिये उसके मकान में चन्द घण्टे विश्राम अवश्य किया है। इतने पर भी यदि दुराग्रहह्ववश वेश्यागमन की दुहाई दी जाय तो हम स्पष्ट कहेंगे कि वैश्यनाथ जी ने अपने उस मायामय कलेवर को भी तो आग में जला डाला है। सो जो महाशय उनके वेश्यागमन का अनुकरण करना चाहें उन्हें आग में कूद कर जल मरने के लिये भी तो तैयार हो जाना चाहिए, अन्यथा मीठा मीठा गप्प और कड़वा कड़वा थू करने का यहां अवसर नहीं। इसलिए किसी भी दृष्टि से परखिये उक्त चरित्र पर कुछ आक्षेप नहीं आ सकता।

**क्रमशः...**

# आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

**योगेश कुमार गोयल**

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि

का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं।

# आतंकवाद पर फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

**सुशांत सरीन**

जो पाकिस्तान बलूचों के आंदोलन के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है, उसे संयुक्त राष्ट्र से दोहरा झटका लगा है। एक तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की नयी रिपोर्ट में पाक स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते साल दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए आतंकी विस्फोट के तार सीधे तौर पर आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं। लाल किले के पास हुआ हमला दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा हमला था, जिससे राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गयी थीं। पाकिस्तान को दूसरा झटका यह लगा है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन अलकायदा का सहयोगी घोषित कराने में वह विफल हो गया है।

हालांकि, खुद पाकिस्तान भी इन दिनों कई मोर्चों पर अलगाववादी हिंसा और उथल-पुथल से जूझ रहा है। इनमें से बलूचिस्तान की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन हालांकि बीस-पच्चीस साल से चल रहा है, लेकिन पिछले लगभग पांच वर्षों से इसमें तीव्रता आयी है। बलूचों का आक्रोश इस पर है कि प्राकृतिक संसाधनों से लैस उनके प्रांत का इस्लामाबाद शोषण करता है, जबकि उनकी बेहतरी की इच्छा उसके एजेंडे में नहीं है। बलूच लोग बेहतर शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय आंदोलनकारियों को ही गायब कर दिया जाता है।

हाल के वर्षों में हजारों बलूच नौजवान सेना के हाथों लापता हो गये हैं। वर्षों से बलूच आंदोलनकारी अपनी मांगों के साथ सड़कों पर उतरते हैं। लेकिन उनकी मांगें अनसुनी कर दी जाती है। हाल के वर्षों में बलूचों का गुस्सा इस कारण भड़का है। पिछले दिनों बलूच विद्रोहियों ने एक साथ कई शहरों पर

धावा बोल दिया था। उससे भी अधिक हैरानी की बात यह कि बलूचों के हमलों में आत्मघाती महिलाएं भी थीं। इसी से साफ है कि बलूचिस्तान में इस्लामाबाद के प्रति आक्रोश किस हद तक बढ़ गया है। दरअसल आजाद ख्यालों के बलूचों पर पाक फौज जितने जुल्म करती है, उनमें प्रतिरोध की ज्वाला उतनी ही तेज होती है। इससे पहले पिछले साल मार्च में बलूच विद्रोहियों ने पेशावर जाने वाली एक ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को हाइजैक कर इस्लामाबाद को अपनी ताकत का अहसास कराया था।

बलूचिस्तान में आंदोलनकारियों की हिंसा के कुछ ही दिन बाद इस्लामाबाद की एक इमामबारगाह में शुक्रवार की नमाज के दौरान आत्मघाती विस्फोट में लगभग 70 लोग मारे गये और सैकड़ों लोग घायल हुए। पाकिस्तान में होने वाली अलगाववादी हिंसा नयी नहीं है, और न ही हिंसा की इन घटनाओं का कोई एक कारण है। वहां अलगाववादी हिंसा एक तबके द्वारा दूसरे तबके को निशाने पर लेने का नतीजा होता है। इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती विस्फोट में भी शिया मुस्लिमों को ही निशाना बनाया गया। इसके लिए पाकिस्तान एक अलगाववादी धड़े को दूसरे अलगाववादी धड़े से लड़ाती है। जैसे बलूचों के खिलाफ लश्कर के आतंकियों का इस्लामाबाद द्वारा इस्तेमाल आम है। लेकिन बलूचिस्तान में हिंसा और इस्लामाबाद में आत्मघाती विस्फोट के पीछे एक बात समान दिखी। पाकिस्तान ने दोनों ही मामलों में भारत की तरफ अंगुली उठायी।

हालांकि यह भी कोई नयी बात नहीं है। खासकर बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहे अलगाववादी आंदोलन के लिए वह भारत को जिम्मेदार ठहराता रहा है, जबकि इस्लामाबाद के निरंकुश रवैये के कारण बलूच लोग लंबे समय से आजादी की मांग कर रहे हैं। इस्लामाबाद में हुए विस्फोट के पंद्रह मिनट के भीतर सरकार ने अफगानिस्तान के अलावा भारत पर अंगुली उठा दी। यह दावा तक किया गया कि हमलावर ने पिछले दिनों कई बार अफगानिस्तान के दौरे किये थे। जबकि आइएसआइएस ने उस विस्फोट की जिम्मेदारी ली। भारत पर आरोप लगाने का ऐतिहासिक कारण है। पाकिस्तान अपनी हर नाकामयाबी का ठीकरा भारत पर फोड़ता है।

भारत पर आतंकी हमले प्रायोजित करने वाला पाकिस्तान अपने यहां होने वाले वैसे ही हमलों के लिए भारत पर अंगुली उठाता है। हालांकि गौर से देखें, तो अपनी नाकामयाबी के लिए भारत के अलावा वह इस्राइल, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान जैसे देशों पर भी अंगुली उठाता है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान यह बात उस अमेरिका के लिए कह रहा है, जो इन दिनों उसका मददगार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को लंच के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित करते हैं, लेकिन पाकिस्तान का कहना है कि अमेरिका फायदे के लिए उसका इस्तेमाल करता आया है। यह ताजा उदाहरण ही बताता है कि पाकिस्तान अभी तक एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र नहीं बन पाया है। उसके दोहरेपन की पोल कई बार खुल जाती है। बलूचों के हिंसक आंदोलन से आजिज आकर उसने संयुक्त राष्ट्र में बलूच लिबरेशन आर्मी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उसकी यह मांग हैरान करने वाली इसलिए थी, क्योंकि लश्कर जैसे जिन आतंकी संगठनों पर पहले से प्रतिबंध लगे हैं, उसके सदस्य तो छुट्टा घूम रहे हैं, पर पाकिस्तान बीएलए को प्रतिबंधित करवाना चाहता था।

लेकिन मुश्किल यह है कि पाकिस्तान अपने मौजूदा अविश्वसनीय स्वरूप के साथ अस्तित्व में है, तो इसके पीछे अमेरिका जैसे देशों का संरक्षण भी है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच अमेरिका की तरफ से एक नक्शा जारी हुआ था, जिसमें पाक अधिकृत कश्मीर को भारत के अंग के रूप में दिखाया गया। इसका विश्लेषण करते हुए कहा गया कि अमेरिका ने यह नक्शा जारी कर पाकिस्तान को सबक सिखाया है। पर बाद में अमेरिका ने वह नक्शा हटा लिया और इस्लामाबाद का दावा है कि उसके कहने पर वाशिंगटन ने यह कदम उठाया है। अमेरिका के अलावा पाकिस्तान का दोस्त चीन भी हमेशा उसका साथ देता है। पाकिस्तान में अलगाववादी हिंसा के कारण चीनी परियोजनाओं के प्रभावित होने की आशंका है। इसके बावजूद पाकिस्तान के साथ वह खड़ा रहता है। स्पष्ट है कि बड़े देशों की शह के कारण ही पाकिस्तान का दोरंगापन चल रहा है। यह अलग बात है कि इससे अंदरूनी रूप से वह देश निरंतर टूट रहा है और उसकी अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है। लेकिन इससे वह कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है।

## आज का इतिहास

1906 ब्रिटिश लेबर पार्टी की स्थापना हुई।
1926 ऑर्फियम थियेटर लॉस एंजिल्स में खोला गया
1926 अमेरिका में अनुबंध एयर मेल सेवा की शुरूआत हुई।
1936 रूस के चिकित्सक और जीव वैज्ञानिक पेट्रोविच पावलोफ़ का 87 वर्ष की आधु में निधन हुआ।
1945 जर्मनी ने पूर्वी मोर्चा पर ऑपरेशन संक्रांति शुरू की।
1949 जेराल्ड के वेस्ट बैंक क्षेत्र में क्यूमरान गुफाओं की गेराल्ड लैन्केस्टर हार्डिंग और रोलैंड डी वॉक्स ने उत्खनन गुफा 1 की खुदाई शुरू की, जो पहले सात डेड सी स्क्रॉल का दीक्षांत समारोह था।
1954 कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दूर के अर्ली वार्निंग लाइन, कनाडा और अलास्का के सुदूर उत्तरी आर्कटिक क्षेत्रों में रडार स्टेशनों की एक प्रणाली के निर्माण के लिए सहमत हैं।
1957 आंद्रेई ग्रोमीको सोवियत संघ के विदेश मंत्री बने।
1961 बेल्जियम में बोइंग 707 विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 73 लोगों की मौत हुई।
1965 मैपल (एक प्रकार का छायादार वृक्ष) के पत्ते को कनाडा के आधिकारिक ध्वज में स्थान मिला।
1976 सोवियत संघ और पूर्वी ब्लॉक देशों के आधार पर सरकार और कानून की एक प्रणाली प्रदान करने वाले क्यूबा के वर्तमान संविधान को एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह द्वारा अपनाया गया था।
1979 डॉन डंस्टन ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दे दिया, व्यापक सामाजिक उदारीकरण को समाप्त कर दिया।
1989 सोवियत संघ ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उसके सभी सैनिक नौ साल के संघर्ष के बाद अफगानिस्तान से वापस आ गए।
1991 ट्रॉय स्टेट सेटा एनसीएए डिव II को दूसरे स्थान पर 103 अंक के साथ 187-117 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रखा गया।
1992 जेफरी डेहमर ने 15 लड़कों की हत्या के लिए दोषी पाया।
1995 चीन में पीपल्स रिपब्लिक की जनसंख्या 1.2 बिलियन है।
1995 उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वाधिक वांछित कंप्यूटर हैकर केविन मिटनिक को गिरफ्तार किया गया और कंप्यूटर धोखाधड़ी और वायर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए।
1996 एक लंबा मार्च 3 बी रॉकेट संचार उपग्रहइंटेलसैट 708 ले जा रहा था, जो चीन के ज़ीचांग सैटेलाइटलॉन्च सेंटर से लॉन्च करने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, पास के एक शहर को नष्ट कर दिया और निवासियों के एक अज्ञात व्यक्ति को मार डाला।
1997 टॉड एल्ड्रिज ने यूएस मेल फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप जीती।

# तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश

**ललित गर्ग**

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएँ विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है।

शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियाँ हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अत: शिव भक्ति का अर्थ है-शक्ति का संतुलन।

आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है-तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं और असुरक्षा ने

उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक ऊँ नम: शिवाय का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है-चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है।

आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं-दु:खों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और शक्ति का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है, तो उसे अपनी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में यह अत्यंत आवश्यक साधना है।

शिव भक्ति का सिद्ध प्रभाव उन असंख्य भक्तों के अनुभवों में दिखाई देता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी आस्था नहीं छोड़ी। सच्चे मन से की गई प्रार्थना व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देती है। यह शक्ति उसे संकटों से जूझने का साहस देती है। चमत्कार बाहर नहीं, भीतर घटित होता है-जब निराशा आशा में बदलती है, भय विश्वास में और अशांति शांति में। आज आवश्यकता है कि शिव को केवल मंदिरों तक सीमित न रखा जाए। वे काठ, पत्थर या मूर्ति में नहीं, बल्कि भाव में निवास करते हैं। जब हम सत्य बोलते हैं, करुणा का व्यवहार करते हैं, प्रकृति की रक्षा करते हैं, तब हम शिव की आराधना करते हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शिव भक्ति है, क्योंकि वे कैलाशवासी योगी हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के संतुलन की रक्षा करना ही शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

महाशिवरात्रि 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम अपने भीतर के विष को पहचानें और उसे शिवचेतना में रूपांतरित करें। हम अपने जीवन में संयम, संतुलन और साधना को स्थान दें। हम क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और अशांति के स्थान पर ध्यान को अपनाएं। शिवत्व की प्राप्ति कोई दूर की वस्तु नहीं। यह हमारे भीतर ही सुप्त है। आवश्यकता केवल जागरण की है। जब मनुष्य स्वयं को जीत लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी होता है। यही आत्मयुद्ध है, यही शिव की साधना है। इस महाशिवरात्रि पर हम सब मिलकर यह प्रार्थना करें-

हे नीलकंठ! हमारे भीतर के विष को शांत करो।

हे महाकाल! हमें समय का सदुपयोग सिखाओ।

हे शंकर! हमारे जीवन में कल्याण का संचार करो।

जब यह प्रार्थना सच्चे मन से होगी, तब निश्चित ही उसका प्रतिफल मिलेगा। क्योंकि शिव भाव के भूखे हैं। जहाँ निष्कपट श्रद्धा है, वहाँ शिव की कृपा अवश्य बरसती है। आधुनिक युग की जटिलताओं के बीच शिव भक्ति ही वह सेतु है, जो मनुष्य को स्वयं से, समाज को शांति से और विश्व को अमन से जोड़ सकती है। यही महाशिवरात्रि का सच्चा संदेश है-अंधकार से प्रकाश की ओर, अशांति से शांति की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर।

# ट्रम्प किसी भी रिश्ते को तोड़ और फैसला बदल सकते हैं

**सीमा सिरोही**

क्या अमरीका-भारत टैरिफ समझौता एक साल की मानव निर्मित उथल-पुथल के बाद राजनीतिक विश्वास बहाल कर सकता है? इसका संक्षिप्त उत्तर है-कुछ हद तक। भारत-अमरीका के संयुक्त बयान में टैरिफ में जो कमी की गई है, ट्रम्प के रूसी तेल पर कार्यकारी आदेश ने उसे खत्म कर दिया है। कार्यकारी आदेश की भाषा, लहजा और विषयवस्तु, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद फिर से शुरू करने पर प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने की धमकी दी गई है, कम से कम दबावकारी और राजनीतिक रूप से भी नुकसानदायक है। यदि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल का आयात फिर से शुरू करता है, तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क फिर से लागू हो सकता है। भारत की ऊर्जा खरीद पर अपने अधिकार जताने के कारण ट्रम्प का रूस के सबसे बड़े तेल खरीदार चीन का नाम न लेना और उसे दंडित न करना, इस बात को और भी स्पष्ट कर देता है। राष्ट्रपति के आदेश में चीन का कोई जिक्र नहीं है। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद कम करने से चीन को भारी छूट और अधिक मात्रा में तेल खरीदकर और भी अधिक लाभ हो रहा है। रूस पहले ही सऊदी अरब को पीछे छोड़कर चीन का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्त्ता बन चुका है। अगर ट्रम्प को लगता है कि भारत पर दबाव डालने से पुतिन यूक्रेन में रियायतें देने के लिए मजबूर हो जाएंगे, तो उन्होंने अभी तक मॉस्को को समझा नहीं है। ट्रम्प जो कर रहे हैं, उससे ऊर्जा खरीद एक भू-राजनीतिक खेल बन गया है और भारत का प्रभाव कम हो रहा है, जबकि चीन को समग्र विजेता बनाया जा रहा है-और एक समय था जब चीन अमरीका का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी था। भले ही भारत को टैरिफ में 18 प्रतिशत छूट की सबसे ज्यादा जरूरत हो, लेकिन वाशिंगटन के साथ खोए हुए संबंधों को वापस पाने के लिए दिल्ली के लिए पुराने गौरवशाली दिनों में लौटना मुश्किल होगा। इसके अलावा, ट्रम्प के कारण दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में आई दरार को देखते हुए नीति निर्माता शायद ऐसा करना भी न चाहें। भारत में आलोचकों ने टैरिफ समझौते की निंदा करते हुए कहा है कि इसमें बहुत कुछ दिया गया है और कुछ लिया नहीं गया। एक टिप्पणीकार ने इसे 'दंडात्मक कार्रवाई को रोकने की एक रणनीति' बताया है। संप्रभुता के बदले में किए गए अतिरंजित समर्पण को छोड़ दें, तो असली सवाल यह है कि क्या श्रम-प्रधान उद्योगों में नौकरियों का नुकसान और घटता बाजार हिस्सा ज्यादा स्वीकार्य है? सूरत, तिरुप्पुर या कानपुर के उन लोगों से पूछिए, जिन्होंने ट्रम्प के टैरिफ के कारण अपनी आजीविका खो दी। बेरोजगारों के पास खोने के लिए अब कोई संप्रभुता नहीं बची थी। अमरीका को चमड़े का निर्यात लगभग शून्य हो गया था, जिससे कई चमड़ा कारखानों को अपना काम बंद करना पड़ा। सबसे ज्यादा प्रभावित तीन क्षेत्रों-रत्न, वस्त्र और चमड़े में 20 लाख से ज्यादा लोगों की नौकरी गई है। भारत से पूंजी के बहिर्वाह, परिणामस्वरूप रुपए पर पड़ रहे दबाव और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा रिकॉर्ड 17 अरब डॉलर की निकासी को देखते हुए वाशिंगटन द्वारा शुल्क में कटौती की आवश्यकता भी अनिवार्य हो गई थी, जिससे 2025 सबसे खराब वर्ष बन गया, जिसने 2022 के रिकॉर्ड को पार कर लिया। यह अनुभव दिल्ली के लिए एक कड़वा सबक है, भले ही वह रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी कारणों से अमरीका के साथ सांझेदारी की आवश्यकता को स्वीकार करती हो। कुछ विश्लेषकों ने पहले ही अमरीकी सहयोग और लचीलेपन के साथ राजनीतिक संबंधों में गिरावट के दौर के अंत की घोषणा कर दी है। हालांकि इस बात से व्यापक रूप से सहमति हो सकती है लेकिन राजनीतिक जटिलताओं को कम आंकना और तकनीकी निवेश को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना, किसी विशेष दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए नासमझी होगी। अंत में, राजनीति को अर्थशास्त्र को भी साथ लेकर चलना होगा।

# बांग्लादेश में बीएनपी की वापसी

**कांतिलाल मांडोत**

बांग्लादेश की राजनीति में लंबे अंतराल के बाद एक बड़ा बदलाव आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्पष्ट जीत और उसके नेता तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना ने न केवल ढाका की सत्ता संरचना को बदला है, बल्कि नई दिल्ली की कूटनीतिक प्राथमिकताओं को भी सक्रिय कर दिया है। चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाताओं ने स्थिरता, अनुभव और राजनीतिक विरासत को प्राथमिकता दी। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस परिवर्तन का भारत-बांग्लादेश संबंधों और विशेष रूप से बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भू-राजनीतिक रूप से गहरे जुड़े रहे हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर हाल के वर्षों तक दोनों देशों ने सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत के साथ संबंध अपेक्षाकृत प्रगाढ़ रहे। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग और पूर्वोत्तर भारत के लिए ट्रांजिट सुविधाओं ने द्विपक्षीय भरोसे को मजबूत किया। ऐसे में सत्ता परिवर्तन को स्वाभाविक रूप से एक नए संतुलन की तलाश के रूप में देखा जा रहा है।

तारिक रहमान की वापसी और उनकी पार्टी की बहुमत के साथ जीत ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेशी मतदाता एक मजबूत राजनीतिक केंद्र चाहते हैं। हालांकि बीएनपी का अतीत भारत के साथ संबंधों को लेकर मिश्रित रहा है, लेकिन वर्तमान वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियाँ किसी भी नई सरकार को व्यावहारिक कूटनीति अपनाने के लिए बाध्य करती हैं। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था निर्यात, विशेषकर रेडीमेड गारमेंट सेक्टर, और क्षेत्रीय स्थिरता पर निर्भर है। भारत उसके लिए एक बड़ा बाजार और रणनीतिक साझेदार है। इसलिए टकराव की राजनीति के बजाय सहयोग की राह चुनना नई सरकार के हित में होगा।

जहाँ तक हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का प्रश्न है, यह विषय केवल आंतरिक राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय संवेदनशीलता का भी हिस्सा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहा है। समय-समय पर सांप्रदायिक

तनाव और छिटपुट घटनाएँ सामने आती रही हैं, जिन पर भारत में चिंता व्यक्त होती रही है। नई सरकार के लिए यह एक कसौटी होगी कि वह कानून-व्यवस्था को निष्पक्ष और कठोर बनाए रखे तथा किसी भी प्रकार की हिंसा या भेदभाव पर त्वरित कार्रवाई करे।

बीएनपी की जीत को कट्टरपंथी राजनीति की अस्वीकृति के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि जमात-ए-इस्लामी को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। यह संकेत देता है कि मतदाता अतिवादी एजेंडे से दूरी चाहते हैं। यदि नई सरकार इस जनादेश को समझते हुए समावेशी शासन का मॉडल अपनाती है, तो हिंदू समुदाय के लिए सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बन सकता है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और राजनीतिक स्पष्टता से सुनिश्चित होती है। तारिक रहमान के सामने अवसर है कि वे अपनी सरकार को आधुनिक, आर्थिक सुधारों पर केंद्रित और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता देने वाली सरकार के रूप में स्थापित करें।

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो नई दिल्ली की नीति आमतौर पर व्यक्तियों के बजाय संस्थागत संबंधों पर आधारित रही है। चाहे ढाका में अवामी लीग की सरकार रही हो या अब बीएनपी की, भारत का प्रयास रहेगा कि सहयोग के मौजूदा ढांचे को बनाए रखा जाए। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दे दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े हैं। यदि नई सरकार इन क्षेत्रों में निरंतर सहयोग बनाए रखती है, तो द्विपक्षीय विश्वास बना रहेगा। हिंदुओं की सुरक्षा का सवाल अक्सर भावनात्मक रूप ले लेता है, लेकिन इसका समाधान संस्थागत मजबूती में निहित है। बांग्लादेश का संविधान धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की बात करता है, और वहां की न्यायपालिका तथा नागरिक समाज सक्रिय रहे हैं। यदि सरकार इन संस्थाओं को स्वतंत्र और प्रभावी बनाए रखती है, तो किसी भी समुदाय के साथ अन्याय की संभावना कम होती है। भारत भी राजनयिक माध्यमों से अपनी चिंताओं को रचनात्मक ढंग से रख सकता है, जैसा कि अतीत में होता आया है।

आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत-बांग्लादेश व्यापार लगातार बढ़ा है, और ऊर्जा सहयोग, रेलवे संपर्क तथा जलमार्ग विकास जैसी परियोजनाएँ दोनों देशों को परस्पर निर्भरता की दिशा में ले जा रही हैं। नई सरकार यदि आर्थिक सुधारों और निवेश को प्राथमिकता देती है, तो उसे क्षेत्रीय स्थिरता की आवश्यकता होगी। यह स्थिरता अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सामाजिक शांति से सीधे जुड़ी है। इसलिए व्यावहारिक राजनीति की मांग है कि सरकार किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक अस्थिरता को बढ़ावा न दे।

तारिक रहमान के लिए यह भी एक अवसर है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर बांग्लादेश की सकारात्मक छवि को पुनर्स्थापित करें। लंदन से लंबे निर्वासन के बाद उनकी वापसी और भारी जनसमर्थन ने उन्हें एक नई वैधता दी है। यदि वे इस वैधता का उपयोग समावेशी शासन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंधों के लिए करते हैं, तो भारत-बांग्लादेश संबंधों में नई ऊर्जा आ सकती है। भारत भी पड़ोसी प्रथम नीति के तहत ढाका के साथ रचनात्मक संवाद को प्राथमिकता देगा।

बीएनपी की जीत को केवल सत्ता परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि बांग्लादेशी लोकतंत्र की एक नई परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। हिंदू समुदाय की सुरक्षा इस परीक्षा की एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। यदि नई सरकार कानून के शासन को सर्वोपरि रखती है और किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक तनाव पर सख्ती से नियंत्रण करती है, तो न केवल हिंदू सुरक्षित रहेंगे, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंध भी अधिक परिपक्व और स्थिर बनेंगे। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि ढाका की नई सत्ता समावेश और सहयोग की राह चुनती है या राजनीतिक ध्रुवीकरण की। फिलहाल संकेत यही हैं कि जनादेश स्थिरता और व्यावहारिकता के पक्ष में है, और यही दोनों देशों के साझा हित में भी है।

# योगी सरकार ने प्रस्तुत किया समग्र विकास का बजट

**मृत्युंजय दीक्षित**

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 2027 में संभावित विधानसभा चुनावों से पूर्व 9 लाख करोड़ रु का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है। सत्तापक्ष, विशेषज्ञ और मीडिया भी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। परंपरागत रूप से विपक्ष इसकी आलोचना करते हुए इसे योगी सरकार का अंतिम बजट कह रहा है। योगीराज के इस बजट का आकार भारत के पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बजट से भी कई गुना बड़ा है। यूपी में योगी बजट की एक और विशेष बात है कि किसी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार 10वां बजट पेश हुआ हो ऐसा पहली बार हुआ है। अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार इतने बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हुआ है।

यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है, समाज को संतुष्टि प्रदान करने वाला बजटहै । बजट में समाज के चार स्तंभों युवा, किसान, गरीब व महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण ,जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह बजट नारी शक्ति, युवावर्ग, किसान, तथा वंचित वर्ग के उत्थान व खुशहाली को समर्पित है। यह विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं, उत्कृष्ट निवेश का वतावरण, नारी समृद्धि के लिए अभूतपूर्व प्रयास, युवाओं को अद्वितीय अवसर, तकनीक संग रोजगार सृजन वाला बहुआयामी बजट है। योगी सरकार प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसका प्रमाण है।

सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाड भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश

के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायतों के लिए भी सरकार ने खजाना खोल दिया है और इस बार उनके लिए बजट में 67 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी संभावित हैं जिनके कारण सरकार ने नई मांगो के अनुरूप सबसे अधिक 10,695 करोड़ रु की धनराशि पंचायती राज विभाग को आवंटित की है। इस वर्ष के बजट में कई नए क्षेत्रों का सृजन किया गया है व धन आवंटित कर उन्हे पोषित करने का प्रयास किया गया है। एआई तकनीक तथा डाटा सेंटर के साथ औद्योगिक विकास पर बल दिया गया है। एमएसएमई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हर बार की तरह एक्सप्रेस वे योजनाओं को भी धन आवंटित कर विकास की गंगा बहाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में एक जिला एक उत्पाद व एक जिला एक व्यंजन जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई हैं। विकास को गति देने के लिए हर जिले व क्षेत्र का ध्यान रखा गया है।

पर्यटन के माध्यम से भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन पर बल दिया गया है। बजट को लेकर सरकारी पक्ष का जोरदार दावा है कि नए बजट से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट के माध्यम से सरकार ने किसानों को साधने के लिए बजट में बीज से बाजार तक की विस्तृत योजना के साथ धन का खजाना खोल दिया है। सरकार का जोर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता पर तो है ही साथ ही वो किसानों को उद्यम, प्रसंस्करण और बाजार से भी जोड़ना चाहती है। प्रदेश के बजट में पशुधन एवं दुग्ध विकास को भी स्थान देते हुए निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 220 नई दुग्ध समितियां गठित करने की घोषणा की गई है। विकास कार्यों के लिए बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी ग्रामीण अधोसंरचना को गति प्रदान करेगा, इससे सम्बंधित 43.5 हजार करोड़ रु की नई योजनाएं बजट में आवंटित की गई हैं।

बजट में बताया गया है कि प्रदेश में हो रहे बदलावों के अनुसार किस प्रकार राजस्व जुटाने में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, देश में आबकारी निर्यात नीति तैयार करने वाला पहला राज्य बना है । देश के मोबाइल निर्माण सेक्टर में 65 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहे हैं। 44.74 हजार करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात से यूपी देश की ताकत बन चुका है। भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार तहसीलों के लिए योजना बनाई गई है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाया गया है। योगी सरकार ने इस बजट में भाजपा शासित अन्य राज्यों की कई अच्छी विकास योजनाओं को भी समाहित करने का सफल प्रयास किया है, जिसमें राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कूटी योजना एक प्रमुख उदाहरण है।

प्रदेश के लघु उद्यमी बजट से खुश नजर आ रहे हैं। उद्योगपतियों का कहना है कि बजट में हस्तकरघा और अन्य योजनाओं को काफी धन मिला है। महिलाएं व युवा भी बजट का अपने अपने अनुसार स्वागत कर रहे हैं । बजट से कोई निराश दिख रहा है तो वो विरोधी दल ही हैं।

# राफेल विमान खरीद में तकनीक हस्तांतरण से भविष्य में होगा लाभ

**प्रमोद भार्गव**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद् (डीएसी) ने वायुसेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की 3 l25 लाख करोड़ रुपए की खरीद को मंजूरी दी है। यह बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान अपना करिश्माई अंदाज आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी ठिकानों पर बमबारी करके दिखा चुका है। वायुसेना की मारक एवं प्रतिरोधी क्षमता में वृद्धि की दृष्टि से राफेल की भूमिका को अहम माना गया है। विमानों की यह खरीद भारत व फ्रांस की सरकारों के बीच अंतर्देशीय समझौते के तहत की जाएगी। इस खरीद में 96 विमानों का निर्माण प्रोद्यौगिकी हस्तांतरण के अंतर्गत भारत में होगा। जबकि 18 विमान फ्रांस से उड़ान की तैयार स्थिति में आएंगे। इन विमानों के 60 फीसदी कलपुर्जे स्वदेशी होंगे। भारत के इस सबसे बड़े रक्षा सौदे पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति में हस्ताक्षर भारत में होंगे। मैक्रों 17 फरवरी को तीन दिन के दौरे पर भारत आ रहे हैं। इस खरीद के बाद भारत के पास 176 राफेल हो जाएंगे। भारत के लिए यह खरीद अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि हमारी वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन संख्या 30 रह गई है, जबकि उसकी स्वीकृत संख्या 42 है। मिग-21 विमानों का बेड़ा पुराना हो जाने के कारण सेवा से हटा लिया गया है। ऐसे में वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को मजबूत बनाने के लिए यह सौदा जरूरी था। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच इन विमानों को खासतौर पर भारतीय नौसेना के लिए डिजाइन किया गया है। राफेल विमानों की इस खरीद में फ्रांस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और पायलटों को प्रशिक्षण भी दिया जाना शामिल है। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित ये राफेल विमान भारतीय नौसेना की परिचालन

आवश्यकताओं पर पूरी तरह से खरा उतरा तब कहीं जाकर इसकी खरीद को मंजूरी दी गई है। आत्मनिर्भर भारत पर सरकार की दृढ़ इच्छा के अनुरूप इस समझौते में स्वदेशी हथियारों के एकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी स्थानांतरण की प्रक्रिया भी शामिल है। अब भारत में विमान इंजन, सेंसर और हथियारों के लिए रख-रखाव और पूरी जांच करके मरम्मत की सुविधाएं देना भी जरूरी है। यानी कालांतर में स्वदेशी रोजगार भी भारत में बढ़ेंगे। यह लड़ाकू विमान नौसेना की जरूरतों के हिसाब से ही विकसित किया गया है। इसमें वे सभी आधुनिकतम समुद्री प्रणालियां संलग्न हैं, जिनसे समुद्र में दुश्मन और उसके समुद्री जल में भीतर चलने वाले उपकरणों का सुराग लगाया जा सकता है। इसमें युद्धपोतों के अलावा पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए भी उच्च तकनीकी क्षमता के रडार लगे हुए हैं। इन विमानों को नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। यह विमान पुराने विमान मिग-29 का ठोस विकल्प साबित होगा। ऐसे विमानों की तलाश में भारत लंबे समय से था, क्योंकि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन नाजायज वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। चीन हिंद महासागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन कर रहा है। जबकि फ्रांस की मंशा इस सागर को खुले और समावेशी क्षेत्र के रूप में सुरक्षित बनाए रखना है। एक तरह से इन विमानों के सौदे को चीन की मनमानी के विरुद्ध भारत और फ्रांस की साझा रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

# प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार को इजहार करने का दिन है। इस दिन लोग प्यार करने वाले को फूल और तोहफे देते हैं और प्यार से बंधे रिश्ते को सेलिब्रेट करते हैं। वैलेंटाइन डे प्रेमियों के लिए हमेशा से ही एक खास दिन रहा है और दुनिया भर के प्रेमी इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हर 14 फरवरी को प्यार करने वाले प्यार भरे तोहफे और खत देकर इस दिन को मनाते हैं, फिर चाहे वो दोस्त हो, प्रेमी हो, माता-पिता हों या भाई बहिन हों। दुनिया की किसी किताब में ये नहीं लिखा कि हमें वैलेंटाइन डे को सिर्फ अपने प्रेमियों के साथ ही बिताना चाहिए। ये तो प्रेम को सेलिब्रेट करने का दिन है, तो आप अपने जीवन में जिससे भी अधिक प्रेम करते हैं उसके साथ इस दिन को अपने जीवन का कुछ कीमती पल निकालकर प्यार से मना सकते हैं। अपने जज्बातों को शब्दों में बयां करने के लिए इस दिन का हर धड़कते हुए दिल को बेसब्री से इंतजार होता है। दुनियाभर के प्रेमी खासकर युवा पीढ़ी इस दिन को बड़े ही रोमांचक तरीके से मनाते हैं। इन दिन को एक खास नाम दिया गया है। वैलेंटाइन डे प्यार का दिन होता है इसमें लोग जिसे वो प्यार करते हैं उसे फूल, कार्ड और तोहफे देते हैं और उनके साथ वक्त बिताते हैं।

मेरे
चेहरे की हंसी हो तुम मेरे
दिल की हर खुशी हो तुम मेरे
होठों की मुस्कान हो तुम धड़कता
है मेरा दिल जिसके लिए वही
मेरी जान हो तुम...

## जीवन के लिए आखिर क्यों जरूरी है प्यार ?

दुनिया में तमाम गुणा-भाग के बाद केवल प्रेम ही बचा रह जाता है। प्रेम खुशी है। प्यार की धूप-छांव में ही हम खिलते हैं और हमारे अपने खिलखिलाते हैं। फिर प्यार हर जगह है। जहां आप हैं, वहां प्यार है। आप ही तो प्यार हैं। प्यार के जितने रूप हैं, उतने ही आपके।

प्यार के बिना हमारा गुजारा नहीं है। दूसरों के साथ हमारा जोड़ प्यार के पुल पर ही टिका है। यह पुल जितना मजबूत और चौड़ा होता है, उतना ही सफर सुहाना बन जाता है। फिर हम भी मजे से चल पाते हैं। दूसरों को भी साथ चलने में दिक्कत नहीं होती। छोटे-मोटे हिचकोले पड़ते हैं तो भी संतुलन बना रहता है। सच तो यह है कि हम सब, दूसरों के लुटाए गए प्यार के कर्ज में डूबे हैं। हमें कुछ का ही प्यार दिखता है। बाकी के प्रेम को देखने की समझ नहीं होती या हम अनदेखी कर देते हैं। एक बार अपने आसपास नजर दौड़ाएं। हम कितनी ही चीजों से घिरे हैं। नीचे धरती, ऊपर आकाश, हवा-पानी, पेड़-पौधे सब हमें दिए ही जा रहे हैं।

अपनों से ही नहीं, बहुत-सी चीजों से भी हमारा नाता होता है। हर रिश्ते को जीना, उस प्रेम को भी देखना है, जो चुप रहता है। कोई दावा नहीं करता। प्रेम की नजर का ही कमाल है कि दूर के सूरज, चांद से भी रिश्ता महसूस होता है। हम अपने कमरे, कुर्सी और कंप्यूटर के लिए भी कृतज्ञ हो उठते हैं।

### जरूरी है हर रिश्ता

सवाल है कि क्यों जरूरी है हर चीज को, हर व्यक्ति को प्रेम करना? मनोविज्ञानी मानते हैं कि पहले की तुलना में अब ऐसी कई चीजें हैं, जो हमें खराब एहसास कराती हैं। रिश्तों में तनाव बढ़ रहे हैं। आगे निकलने की होड़ है। दुनियाभर में एक-दूसरे से नफरत बढ़ रही है। मनों में उदासी बढ़ती जा रही है। कुछ समस्याएं इसलिए हैं कि हम दूसरों को प्यार नहीं करते। बहुत-सी इसलिए हैं कि हम खुद से प्यार करना नहीं जानते। वियतनामी बौद्ध गुरु तिक नत हन्ह कहते हैं कि हमारी खुशियां इस पर निर्भर करती हैं कि हम दिल से कितने आजाद हैं। अपने ही फायदे-नुकसान से घिरा, सहमा मन, प्यार कर ही नहीं सकता। तब हम खुद को भी चोट पहुंचाते हैं, दूसरों को भी दुखी करते रहते हैं। हर समय दूसरों का साथ छूटने का डर सताता रहता है।

### दिलों को जोड़ता है प्यार

हर रिश्ते को जीना इसलिए जरूरी है कि प्यार दिलों को जोड़ता है। कड़वे जख्म भर जाते हैं। प्यार की ठंडक से भीतर का उबाल शांत होता है। हम दूसरों को माफ करना सीखते हैं। लॉ ऑफ अट्रेक्शन से जुड़ी 'सीक्रेट' एक चर्चित किताब है। लेखिका रोंडा बायन कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके हर चीज, हर व्यक्ति से प्यार करें। ध्यान केवल प्यार पर रखें। पाएंगे कि जो प्यार आप दे रहे हैं, वह कई गुणा बढ़कर आप तक लौट रहा है।

### रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार

दूसरों के साथ हमारे रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार। यह बड़ी चतुराई से अपनी जगह बनाता है। अहंकारी अपने फायदे के लिए ही दूसरों के पीछे भागता है। बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों की अनदेखी कर देता है। प्रेम हंसाता है तो अहंकार चोट पहुंचाता है। अहंकार गले लगाकर भी दूसरे को छोटा ही बनाए रखता है। यह केवल दूसरों से पाने की चाह रखता है। शरीर से परे मन का प्रेम ही हमें दूसरों के प्रति कृतज्ञ बनाता है। प्रेम की कक्षा में हम जितना आगे कदम बढ़ाते हैं, भेद खत्म होते चले जाते हैं। प्रेम हमें तो हल्का करता ही है, दूसरों को भी जीवन से भर देता है। ओशो कहते हैं कि प्रेम के तीन स्तर हैं—शरीर, मन और आत्मा। सच्चा प्रेम समय और स्थान से परे है। वह देने में खुश होता है। भरे बादलों की तरह सब पर बरसता है। सब रिश्तों को जीने का मतलब यही है कि हम हर तरह का प्यार देख-समझ सकें। जब भीतर बेचैनी बढ़ने लगे तो बाहर से जुड़ जाएं। दूसरों को बांटें। जब बाहर के प्रेम से मन भर जाए तो भीतर की ओर लौट जाएं। भीतर ध्यान बना रहे और बाहर प्रेम। हम प्रेम करें। बस प्रेम करें या फिर प्रेम की बातें।

## क्यों मनाया जाता है वैलेंटाइन डे ?

हम आपको बता दें कि हर त्यौहार के पीछे कोई न कोई कहानी जुड़ी है, चाहे वह दीवाली या फिर ईद हो, तो इसी तरह वैलेंटाइन डे से भी एक कहानी जुड़ी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस आलेख में बताएंगे। इससे आपको वैलेंटाइन डे के बारे में पूरी जानकारी मिल सकेगी।

ऐसा माना जाता है की वैलेंटाइन डे का नाम रोम के एक पादरी संत वैलेंटाइन के नाम पर रखा गया है, दरअसल रोम में तीसरी सदी में क्लॉडियस नामक राजा का राज्य था। रोम के राजा क्लॉडियस का मानना था कि विवाह करने से पुरुष की बुद्धि खत्म हो जाती है, इसके चलते क्लॉडियस ने अपने राज्य में ये आदेश दिया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी शादी नहीं करेगा और उसने ये भी कहा कि अगर मेरा कोई सैनिक या अधिकारी शादी करेगा तो उसे सजा दी जाएगी। राजा के इस फैसले से सभी सैनिक काफी दुखी थे, परंतु राजा के डर से किसी ने कुछ भी नहीं कहा।

और सभी सैनिक राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए मजबूर हो गए, परंतु संत वैलेंटाइन ने इस बात का विरोध किया और पूरे राज्य में लोगों को शादी करने के लिए प्रेरित किया। संत वैलेंटाइन ने रोम में बहुत सारे सैनिकों और अधिकारियों की शादी करवाई और जब राजा को इस बात का पता चला तब उसे इस बात का बहुत गुस्सा आया और उसने संत वैलेंटाइन को बंदी बनाने का आदेश दे दिया और उसे फांसी की सजा सुना दी गई। अब संत वैलेंटाइन अपनी मौत का इंतजार कर रहे थे, इसी बीच संत वैलेंटाइन को एक अंधी लड़की से प्यारा हो गया, जो कि जेलर की बेटी थी। वह अपनी मौत की पूर्व संध्या पर कुछ लिखना चाहता था, लेकिन वहां लिखने का कोई साधन उपलब्ध नहीं था।

कहा जाता है कि वैलेंटाइन ने उसे स्याही में एक सोननेट लिखा है, जो कि violets से नियोड़ा हुआ था। उसने अंतिम बार उस अंधी लड़की को फिर से देखा और उन दोनों में रोमांस हुआ, जो उनके जीवन का अंतिम पल था और अगले दिन वैलेंटाइन को रोमन के जल्लादों द्वारा 14 फरवरी को फांसी दे दी गई। इस बलिदान की वजह से 14 फरवरी को वैलेंटाइन के नाम से रखा गया और संत वैलेंटाइन की याद में हर साल 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैसे माने तो प्यार करने वाले के लिए हर दिन खास होता है और अपने साथी से प्यार जताने के लिए कोई तरीख या दिन मायने नहीं रखता है, लेकिन दौड़ती हुई जिंदगी के लिए आज का दिन मोहब्बत के नाम कर दिया गया।

### इसके बारे में कुछ रोचक तथ्य

- हर साल वैलेंटाइन डे 14 फरवरी को मनाया जाता है।
- हर साल लगभग,1 बिलियन वैलेंटाइन डे कार्ड का आदान-प्रदान किया जाता है
- वैलेंटाइन डे पर हर साल इतनी कैंडी बनाई जाती है कि Arizona से Roam, इटली और वापस Arizona तक लाया जा सकता है। इन दिल के आकार वाली कैंडी का उत्पादन लगभग 8 मिलियन है।
- क्रिसमस के बाद वैलेंटाइन डे कार्ड भेजने के मामलों में वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा दिन हैं।
- फिनलैंड के लोग वैलेंटाइन डे को, 'मित्र दिवस' के रूप में मनाते हैं। और इस दिन वहां मित्रों को याद किया जाता है।
- हर साल वैलेंटाइन डे पर इटली का वेरोना शहर 1000 पत्र प्राप्त करता है, जिन्हें जूलियट के पते पर भेजा जाता हैं। यह वह जगह है, जहां रोमियो और जूलियट रहते थे।
- भारत में वैलेंटाइन डे का आरंभ 1992 में हुआ था, लेकिन भारत के लोगों ने इस दिन को नफरत ज्यादा दी।
- ईरान सरकार ने वैलेंटाइन डे 2011 में बैन लगा दिया था, यहां लाल गुलाब हार्ट शेप और इससे जुड़े सभी चीजे को बैन कर दिया था।
- जापान में सिर्फ पुरुष ही वैलेंटाइन डे मनाते है।
- मलेशिया में सिर्फ मुस्लिम ही वैलेंटाइन डे को मना सकते हैं।
- 2011 में वैलेंटाइन डे के दिन मैक्सिको में 39 हजार 897 लोगों ने एक साथ किस किया था, जो आज तक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।
- इस दिन के मौके पर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले लाल गुलाब को प्यार का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि लाल रंग प्यार को रोमांटिक भावनाओं को प्रदर्शित करने वाला रंग माना जाता है।
- एक अनुमान के अनुसार वैलेंटाइन डे के मौके पर पूरी दुनिया में लगभग 73 प्रतिशत पुरुष और 27 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रेम के इजहार के लिए फूल खरीदती हैं।
- पहला दर्ज वैलेंटाइन सन् 1415 फरवरी में मनाया गया था, इस दिन ऑरलियन्स के अंग्रेजी ड्यूक ने अपनी पत्नी को प्रेम पत्र भेजा था, यह पत्र उन्होंने लंदन टावर के जेल में बैठकर लिखा था। इस पत्र को आज भी ब्रिटिश संग्रहालय मे देखा जा सकता है।
- दक्षिण कोरिया एक ऐसा देश है, जहां हर माह की 14 तारीख को वैलेंटाइन के रूप मे मनाया जाता है।
- वर्ष 1537 मे इंग्लैंड के राजा हेनरी VII ने पहली बार 14 फरवरी को आधिकारिक तौर पर सेंट वैलेंटाइन डे के दिन छुट्टियों की घोषणा की थी।

## बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड के लिए वैलेंटाइन गिफ्ट

वैलेंटाइन डे का दिन प्यार करने वालों के लिए सबसे खास दिन होता है, इस खास दिन में अपने साथी को खास तोहफा देना बहुत ही जरूरी है, जो आपके प्यार की नींव को और भी मजबूत बना देगा। इन खास तोहफों से हम अपने साथी को ये एहसास दिलाते हैं कि वो हमारे लिए कितना स्पेशल है, इसलिए आज हम आपके लिए कुछ गिफ्ट ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड के लिए गिफ्ट सेलेक्ट करने में मदद मिलेगी। अपने बॉयफ्रेंड के लिए या लड़कों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही आसान है, क्योंकि जब एक लड़की उन्हें कुछ भी गिफ्ट करती है तो उनके लिए वो स्पेशल ही होता है, लेकिन लड़कियों के लिए गिफ्ट चुनना बहुत ही मुश्किल है, उन्हें क्या अच्छा लगेगा और क्या नहीं ये कहना जरा मुश्किल है, इसलिए आपकी मुश्किलों को दूर करने कुछ गिफ्ट के ideas लेकर आए हैं, जिससे आपको ये पता चल जाएगा कि किस तरह के गिफ्ट आप उन्हें दे सकते हैं, जिसे उन्हें यकीनन पसंद आ जाए।

1. **चॉकलेट्स :** ये गिफ्ट दोनों के लिए परफेक्ट गिफ्ट है। जब किसी अच्छी चीज की शुरुआत होती है तो सबसे पहले मुंह मीठा करने की बात याद आती है। उसी तरह वैलेंटाइन डे के मौके पर मीठा गिफ्ट हो जाए तो क्या कहना। जिस तरह लड़कियों को चॉकलेट्स बहुत ही पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी चॉकलेट्स अच्छा लगता है तो आप उन्हें अलग-अलग तरह के चॉकलेट्स एक डिब्बे में भरकर उन्हें पैक कर दे सकते हैं या ऑनलाइन आर्डर कर भेज सकते हैं।

2. **परफ्यूम :** हम सबको परफ्यूम बेहद पसंद होता है। आप कोई भी ब्रांडेड परफ्यूम को तोहफे के रूप में अपने साथी को भेंट कर सकते हैं, ये तोहफा उनको बहुत अच्छा लगेगा।

3. **वॉलेट :** वैसे तो आज कल सभी जेब में ऑनलाइन वॉलेट जैसे Mobikwik, Paytm, BHIM App इत्यादि अपने मोबाइल में रखते हैं पर वॉलेट भी अभी बंद नहीं हुआ है। आप चाहे तो अपने बॉयफ्रेंड को leather का stylist वॉलेट भी गिफ्ट में दे सकते हैं।

4. **गुलाबः** लड़कियों को rose बहुत ही पसंद होता हैं, चाहे वो natural हो या artificial अगर आपको natural गुलाब का फूल देना है तो आप बाजार से ताजे फूल के गुलदस्ते दे सकते हैं, ये लड़कियों को काफी रोमांटिक लगता है। अगर आपको artificial फूल देना है तो आप ऑनलाइन amazon या flipkart से खरीद कर भी दे सकते हैं।

5. **प्रिंटेड कॉफी मग :** आप coffee mug में अपने प्रेमी का फोटो या फिर I Love You लिखकर Print करवा सकते हैं। ये दिखने में बहुत ही सुंदर लगता है, जो चाहे लड़का हो या लड़की अपने प्यार को उपहार में दे सकता है। जब आप ये अपने चाहने वाले को देंगे तो उन्हें बहुत खुशी होगी और प्यार का रिश्ता भी मजबूत होगा।

6. **लेडीज पर्स :** यह वैलेंटाइन गिफ्ट खासकर लड़कियों या महिलाओं को देने के लिए जबरदस्त है। शायद ही कोई लड़की होगी, जिसको purse या handbag पकड़ना अच्छा न लगता हो। अगर आप ऑनलाइन वेबसाइट पर सर्च करेंगे तो आपको बहुत से variety के बढ़िया-बढ़िया purse देखने को मिलेंगे, उनमे से आप सेलेक्ट कर गिफ्ट कर सकते हैं।

# भारत के इतिहास में अमर हो गई प्यार की ये कहानियां

### अमर प्रेम का प्रतीक ताजमहल

वेलेंटाइन वीक चल रहा है। हर दिन किसी खास चीज को लेकर मनाया जाता है। गुलाब देने से लेकर प्रपोज करने तक हर दिन बेहद खास होता है। भले ही भारतीय समाज में वेलेंटाइन डे को अच्छी दृष्टी से न देखा जाता हो,

लेकिन इसी भारत में बहुत सी प्यार की कहानियां है। जिनके प्रमाण आज भी है। आगरा का ताजमहल हो या मांडवा का किला ये सब अमर प्यार की जीती जागती तस्वीरें पेश करते हैं। तो चलिए जानें ऐसी ही कुछ ऐतिहासिक प्रेम कहानियों के बारे में जो भारत के गौरवशाली इतिहास से निकली हुई हैं।

### शाहजहां और मुमताज की मोहब्बत

प्यार की निशानी के रूप में पूरी दुनिया में मशहूर ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज के अमर प्रेम की कहानी कहता है। शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए सफेद संगमरमरों का किला बनवाया जो आज के समय ताजमहल के नाम से मशहूर है। ताजमहल में बादशाह और उनकी बेगम की कब्र बनी हुई है।

### पृथ्वीराज चौहान और संयुक्ता का प्रेम

राजपूतों के शौर्य से तो पूरा इतिहास भरा पड़ा है। इसी में से एक थे पृथ्वीराज चौहान। चौहान राजवंश के राजा पृथ्वीराज को अपने दुश्मन कन्नौज के राजा जयचंद की बेटी संयुक्ता से प्रेम हो गया। जयचंद को जब इस बारे में पता चला तब वो काफी क्रोधित हुए और संयुक्ता के स्वंयवर का आयोजन किया। इस स्वयंवर में उन्होंने कई राजकुमारों को बुलाया लेकिन जयचंद ने पृथ्वीराज को निमंत्रण नहीं दिया और अपने दरबार के बाहर उसका एक पुतला बनवाकर दरबान के तौर पर खड़ा कर दिया। संयुक्ता से जब वरमाला डालने के लिए कहा, तब वो उस सभा में मौजूद सभी राजकुमारों को छोड़ कर द्वार पर चली गई और पृथ्वीराज के पुतले को माला पहना दी। उस पुतले के पीछे पृथ्वीराज पहले से मौजूद थे और सबके सामने वो संयुक्ता को अपने साथ भगा कर ले गए।

### बाजबहादुर और रूपमती की प्रेम गाथा

मध्यप्रदेश के मालवा राज्य के राजा बाजबहादुर की प्रेम गाथा यहां के किलों में आज भी गूंजती है। शिकार पर निकले हुए राजा को एक साधारण स्त्री रूपमती से प्रेम हो गया। दुनिया की परवाह न करते हुए बाजबहादुर ने रूपमती से विवाह किया और उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकारा।

### बाजीराव-मस्तानी की मोहब्बत-ए-दास्तां

मराठों के जांबांज योद्धा बाजीराव की प्रेम कहानी पर फिल्म बनने के बाद लोगों का ध्यान इनकी अद्भुत प्रेम कहानी पर गया। बाजीराव ने बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल की बेटी मस्तानी से प्रेम हो गया। हांलाकि उनके इस विवाह को समाज की मान्यता नहीं मिली। लेकिन जीवन के अंत तक दोनों की सांसे एक दूसरे से बंधी रहीं।

### बिंबिसार और आम्रपाली की प्रेम कहानी

भारत के शूरवीर राजाओं की प्रेम कहानियां भी बहुत ही अद्भुत हैं। ऐसी ही एक प्रेम कहानी राजा बिंबिसार की है। कहते हैं कि राजा बिंबिसार को राज्य की सबसे खूबसूरत नर्तकी से प्रेम हो गया था। युद्ध के दौरान घायल बिंबिसार की सेवा आम्रपाली ने एक साधारण सैनिक समझ कर की थी और नर्तकी के रूप से मोहित होकर राजा ने उससे विवाह कर लिया था।

### जानें इन देशों में कैसे मनाया जाता है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे प्यार का दिन है, प्यार करने वालों का दिन है। मोहब्बत के इजहार का दिन है, लेकिन भारत में हर साल इस दिन को मनाने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे है जहां इस त्यौहार को मनाने के लिए तैयारियां काफी पहले से शुरू हो जाती हैं। अलग-अलग देशों में वैलेंटाइन डे सेलीब्रेट करने के अपने अलग तरीके और अपनी अलग-अलग परंपराएं हैं। जानें कैसे इन 10 देशों में वैलेंटाइन डे मनाने का अलग-अलग रिवाज है-

**इटली:** इटली में वैलेंटाइन डे स्प्रिंग फेस्टिवल के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर लोग बगीचों में इकट्ठा होते हैं और संगीत का आनंद उठाते हैं। कुंवारी लड़कियों सुबह ही उठ जाती है। यहां परपंरा है कि सुबह-सुबह जो पुरुष महिला को दिखा, संभवतः वो ही महिला का होने वाला पति होगा।

**डेनमार्क:** 1990 से डेनमार्क में वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। वैलेंटाइन डे पर यहां पुरुष महिलाओं को एनोनिमस कार्ड भेजते हैं, जिसे जोकिंग लेटरक कहा जाता है। जिसे महिलाओं को उनके नाम का अंदाजा लगाना होता है। जो महिला भेजने वाले का नाम पहचान जाती है उसे बाद में ईस्टर एग दिया जाता है।

**फ्रांस:** फ्रांस को दुनिया की सबसे रोमांटिक जगह है। यहां वैलेंटाइन डे पर एक परंपरा है, जिसमें लड़के-लड़की को जोड़ा बनाया जाता है। अगर पुरुष को महिला पसंद नहीं तो वह उसे छोड़कर दूसरी महिला को पसंद कर सकता है।

**दक्षिण कोरिया:** दक्षिण कोरिया में हर महीने की 14 तारीख को प्यार के दिन के तौर पर सेलीब्रेट किया जाता है। वैलेंटाइन डे के मौके पर महिलाएं पुरुषों को चॉकलेट्स और तोहफे देती हैं और अगले महीने 14 मार्च यानी व्हाइट डे पर पुरुष महिलाओं को रिटर्न गिफ्ट देते हैं।

**वेल्स:** यहां के लोग 25 जनवरी को वैलेंटाइन डे मनाते है। इस मौके पर एक दूसरे को लकड़ी के चम्मच तोहफे में देते हैं, इन्हें लव स्पून्स कहते हैं। खास बात ये होती है कि चम्मच के डिजाइन में कोई न कोई संदेश छिपा होता है।

**ब्राजील:** ब्राजील में फूल, चॉकलेट्स, कार्ड और तोहफों के साथ मनाया जाता है। यहां 12 जून को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## असम में पीएम मोदी के विमान की हुई ऐतिहासिक लैंडिंग

**डिब्रूगढ़।** चीन सीमा के करीब देश की सामरिक शक्ति में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से डिब्रूगढ़ जिले में मोरान बाईपास पर बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर उतरे। प्रधानमंत्री मोदी की लैंडिंग के साथ ही हाइवे पर स्थित यह पट्टी वायुसेना के रणनीतिक नेटवर्क का हिस्सा बन गई। पीएम मोदी ने भारतीय वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस से लैंड किया। इसी के साथ भारतीय वायुसेना के सुखोई एसयू-30एमकेआई ने डिब्रूगढ़ के मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी से उड़ान भरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वहां मौजूद अन्य लोगों ने उड़ान भरते हुए देखा। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी डिब्रूगढ़ में मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर उतरे। जो कि एक ऐतिहासिक पल रहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान से ईएलएफ पर उतरे।

## राहुल के आरोपों पर पीयूष गोयल का तीखा पलटवार

**मुंबई।** अमेरिका और भारत के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इतने नासमझ व्यक्ति को नेता विपक्ष कैसे बना गया। गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अर्थव्यवस्था को समझे बिना गलत बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह नहीं समझ पा रही है कि जिस आदमी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, उनके पास झूठ, धोखा और ट्वीट करने वाले बयानों के अलावा कुछ भी नहीं है, वह सच से हजारों मील दूर हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि अगर बांग्लादेश अमेरिका से सूत या कपास खरीदता है तो उसे अमेरिका में शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) पर कपड़ा निर्यात करने की छूट मिलती है। इसपर पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को भी यही सुविधा मिलेगी। अगर भारतीय निर्यातक अमेरिका से कपास या सूत खरीदकर यहां प्रोसेस करेंगे।

## प्रधानमंत्री मोदी के असम दौरे पर कांग्रेस ने कसा तंज

**नईदिल्ली।** कांग्रेस की तीखी राजनीतिक टिप्पणी ने मणिपुर को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया है। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्वोत्तर दौरे के दौरान हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर का दौरा करने का आग्रह किया है। एक्स पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि चुनाव वाले राज्य हमेशा आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता होते हैं, लेकिन मणिपुर को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य 2023 से जल रहा है, और अब फिर से जल रहा है। ये टिप्पणियां तब आईं जब प्रधानमंत्री 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करने के लिए असम में थे। खेड़ा ने दोनों राज्यों की निकटता की ओर इशारा करते हुए लिखा कि आप आज असम में हैं। मणिपुर यहाँ से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है। कृपया वहाँ भी जाइए। प्रधानमंत्री की उपस्थिति मणिपुर के लोगों को आश्वस्त करने में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

## एनसीपी के दोनों गुटों का होगा विलयः संजय राउत

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शनिवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों का विलय होता है तो वह इसका स्वागत करेंगे, लेकिन इस पर कोई भी फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निर्भर करेगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी के बीच विलय की संभावना जताई। मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में बात करते हुए राउत ने कहा कि एनसीपी गुटों का विलय अनिश्चित है। इस मामले में अमित शाह की भूमिका पर अधिक होगी। राउत ने कहा, मुझे नहीं लगता कि दोनों एनसीपी गुटों का विलय होगा, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो मुझे खुशी होगी। प्रफुल पटेल वही कह रहे हैं जो अमित शाह कह रहे हैं। संजय राउत ने आगे कहा, क्या आपके पास दोनों के विलय के बारे में कोई ठोस जानकारी है? एनसीपी और बीजेपी के विलय पर फैसला शाह की इच्छा के अनुसार लिया जाएगा।

## तेलंगाना निकाय चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत

**हैदराबाद।** तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत को लेकर पार्टी ने इसे राज्य सरकार की जनहित वाली नीतियों की मंजूरी बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह नतीजा साफ दिखाता है कि जनता ने सामाजिक न्याय, सम्मान और सबको साथ लेकर विकास की सोच को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीधे तौर पर लोगों के भरोसे की जीत है। राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों के बाद बयान जारी कर कहा कि तेलंगाना निकाय चुनाव में जीत कांग्रेस सरकार की पीपल-फर्स्ट यानी जनता को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की पुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रजाला तेलंगाना बनाना है, जहां विकास का लाभ हर परिवार तक पहुंचे। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीत जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता की है।

### पीएम मोदी ने दी ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात, बोले-

# कांग्रेस ने असम को नजरअंदाज किया

**गुवाहाटी।** असम में इस साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी असम के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया।

यह पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। यह 6-लेन का आधुनिक पुल करीब 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसके बनने से गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर सिर्फ 7 मिनट रह जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

बता दें कि असम भूकंप संभावित क्षेत्र है, इसलिए पुल को खास तकनीक से बनाया गया है। इसमें 'बेस आइसोलेशन टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल किया गया है, जो भूकंप के झटकों को कम करने में मदद करती है। इतना ही नहीं मजबूत और टिकाऊ रहने के लिए इसमें हाई-परफॉर्मेंस केबल्स लगाए गए हैं।

इसके साथ ही पुल में ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी लगाया गया है। यह सिस्टम पुल की स्थिति पर नजर रखेगा, किसी भी नुकसान का पहले से पता लगाएगा और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यह पुल न केवल यातायात को आसान बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के विकास और कनेक्टिविटी को भी नई गति देगा।

पीएम मोदी ने गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी कॉलेज फील्ड में भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं की एक जनसभा को भी संबोधित किया। जहां उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साझा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में असम को तरसाया गया। पीएम मोदी ने कहा, %कुछ दिन पहले ही देश का बजट आया है। बजट के बाद असम, पूर्वोत्तर का मेरा यह पहला दौरा है। जिस पूर्वोत्तर को कांग्रेस ने हमेशा नजरअंदाज किया हम उस पूर्वोत्तर की भक्ति भाव से सेवा कर रहे हैं। पूर्वोत्तर हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है, इस वर्ष का बजट अष्टलक्ष्मी के लिए भाजपा, एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है। बजट में बहुत अधिक फोकस पूर्वोत्तर को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है।%

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %भाजपा का कार्यकर्ता परिश्रम की पराकाष्ठा करता है, उसके कारण भाजपा आगे बढ़ती है। मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण बात यही है कि नरेंद्र मोदी भाजपा का कार्यकर्ता है। आज भाजपा जहां पहुंची है उसका श्रेय अगर किसी को मिलता है तो वह सिर्फ और सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिलता है। हमारा विश्वास संगठन में है, हम राष्ट्र जीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति मानते हैं और इसलिए इतनी बड़ी तादाद में जमीन की जड़ों से जुड़े कार्यकर्ताओं का दर्शन करना अपने आप में बहुत बड़ा सौभाग्य है।

## ऐसा महामूर्ख विपक्ष का नेता नहीं देखा : निशिकांत

**नईदिल्ली।** निशिकांत दुबे ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर दिए गए वीडियो बयान की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें महामूर्ख विपक्ष नेता बताया और किसानों की सुरक्षा तथा निर्यात को बढ़ावा देने के केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का बचाव किया। दुबे ने मीडिया से कहा कि मैंने इस देश में ऐसा महामुर्ख विपक्ष नेता कभी नहीं देखा। कपास किसानों की सुरक्षा के लिए पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी ने 11% आयात शुल्क लागू किया है। किसानों की सुरक्षा के बाद, कपड़ा क्षेत्र को कैसे मुक्त किया जाए और उसे प्रतिस्पर्धी बनाया जाए, क्योंकि हम वियतनाम से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं- इसके लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

दुबे ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत लघु निर्यातकों पर शून्य शुल्क लगेगा और उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी बकवास फैलाने और दूसरों को उकसाने में मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में भी, हमारे निर्यातकों, जो लघु उद्योग चलाते हैं और सबसे अधिक निर्यात करते हैं, पर शून्य प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अगर किसी को बकवास करना, दूसरों को उकसाना और देशद्रोह करना सीखना है, तो उसे राहुल गांधी से सीखना चाहिए।

ये टिप्पणियां गांधी द्वारा हाल ही में समझौते की आलोचना के जवाब में आईं, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि जहां भारतीय वस्त्रों पर अमेरिका में 18 प्रतिशत टैरिफ लगता है, वहीं बांग्लादेश को अमेरिकी कपास आयात करने की शर्त पर वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का लाभ दिया जा रहा है।

### शिवराज सिंह का लोकसभा में विपक्ष के नेता पर बड़ा हमला, कहा-

# राहुल गांधी झूठ बोलकर किसानों में भ्रम फैला रहे हैं

**नईदिल्ली।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर आम जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं। वे झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। वे देशवासियों में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।

कृषि मंत्री ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का बचाव करते हुए कहा कि विनियमित लागत और सीमित मात्रा के कारण आयात प्रक्रियाएं किसानों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेब की बात कर रहे हैं। हम 55 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करते हैं, और किस आधार पर? न्यूनतम आयात मूल्य 80 रुपये प्रति किलो है, और 25 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त शुल्क लगता है, यानी लैंडिंग लागत 105 रुपये है। तो इससे किसानों को कैसे नुकसान हो रहा है?

शिवराज ने कहा कि अखरोट के मामले में भी लगातार गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत पहले से ही 60,000 मीट्रिक टन अखरोट आयात करता है। केवल 13,000 मीट्रिक टन का सीमित कोटा ही आवंटित किया गया है। इससे किसानों को कैसे नुकसान होगा? सोयाबीन और मक्का पर कोई सब्सिडी नहीं दी गई। इसके अलावा, चौहान ने गांधी के दावे का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में आयात की अनुमति नहीं दी थी, और बताया कि उस दौरान 20 अरब डॉलर मूल्य के कृषि उत्पाद आयात किए गए थे।

उन्होंने गांधी पर तीखा प्रहार किया कि राहुल गांधी का यह दावा कि कांग्रेस सरकार के दौरान आयात के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए गए थे, गलत है। कांग्रेस शासनकाल में भी 20 अरब डॉलर मूल्य की कृषि उपज आयात की जाती थी। डेयरी उत्पाद भी आयात किए जाते थे। देश को जिस चीज की जरूरत होती है, वह आयात की जाती है। वे किसानों को कब तक गुमराह करते रहेंगे? कैबिनेट मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपना समय ऐसी नीतियां और निर्णय बनाने में लगाते हैं जिनसे देश के किसानों को लाभ हो और जो आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर हों।

### राहुल गांधी की किसानों संग बैठक पर बड़ा सियासी बवाल, भाजपा ने कसा तंज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद कार्यालय में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संबंध में उनकी चिंताओं को सुना। इस कदम पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस मुलाकात को सुनियोजित बताया और कांग्रेस नेता पर भ्रामक बातें फैलाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते में शुल्क प्रावधानों को लेकर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत के कपास किसानों और कपड़ा निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

वहीं, एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा ने राहुल गांधी की मुलाकात की तस्वीर साझा की, जिसमें उपस्थित कई लोगों को हरियाणा और पंजाब में सहयोगी कांग्रेस दलों के नेताओं के रूप में चिह्नित किया गया है। पार्टी ने पोस्ट में लिखा कि राहुल गांधी का एक और झूठ, देश के सामने बेनकाब। जिसे किसानों के साथ बैठक बताया जा रहा था, वह वास्तव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा थी। राहुल गांधी ने इस देश की लगभग हर संस्था और समुदाय का राजनीतिकरण और अपमान किया है, और अब वे किसानों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। पार्टी ने आगे लिखा कि सुनियोजित राजनीति वास्तविक नेतृत्व का स्थान नहीं ले सकती। देश ईमानदारी का हकदार है, न कि कांग्रेस के मनगढ़ंत बयानों और राजनीतिक हथकंडों का।

खेल
प्रमुख समाचार

## भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

**कोलंबो।** भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का महामुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला जाएगा। यह मैच आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां की पिच आमतौर पर स्पिनरों के मददगार मानी जाती है।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध अस्थायी तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अनफिट होना चिंता का विषय है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेल पाते हैं या नहीं। भारत के पास मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मौजूद हैं, लेकिन पाकिस्तान भी इस मामले में कम नहीं है क्योंकि उसकी टीम में अबरार अहमद और उस्मान तारिक हैं जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश कर सकते हैं। कोलंबो में स्पिनरों की मददगार पिच को देखते हुए इस संभावना को भी खारिज नहीं किया जा सकता कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ तीन स्पिनरों के साथ उतरे। अगर अभिषेक शर्मा नहीं खेलते हैं संजू सैमसन को दोबारा मौका मिलेगा, इसकी संभावना कम है। भारतीय टीम प्रबंधन चाहेगा कि इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए अभिषेक चयन के लिए उपलब्ध हों जिससे शीर्ष क्रम पर स्थिरता आ सके। हालांकि, भारतीय थिंक टैंक के दिमाग में यह भी चिंता होगी कि सैमसन को ही उतारा जाए या ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाए जो फिट हो गए हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## अगले हफ्ते आईपीओ बाजार होगी नई लिस्टिंग

**नईदिल्ली।** 16 फरवरी 2026 से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में आईपीओ गतिविधियां तेज रहने वाली हैं। हालांकि नए इश्यू ज्यादा नहीं हैं, लेकिन बड़ी कंपनियों की लिस्टिंग और कुछ नए ऑफर से बाजार में हलचल बनी रहेगी। एआई, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर निवेशकों के रडार पर रहेंगे। 16 फरवरी को दो प्रमुख कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगी। पहली है Fractal Analytics, जो डेटा और एआई सॉल्यूशंस में काम करती है। इसका करीब 2833.90 करोड़ रुपए का आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। दूसरी कंपनी है Aye Finance, जो माइक्रो और स्मॉल बिजनेस को लोन देने वाली NBFC है। इसका 1010 करोड़ रुपए का इश्यू लगभग 97 फीसदी सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा 19 फरवरी को Marushika Technology SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होगी।

## निफ्टी में आईटी सेक्टर की पकड़ कमजोर

**नईदिल्ली।** देश के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष निराशाजनक साबित हो रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, विप्रो और एचसीएलटेक जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई तेज गिरावट का असर अब सीधे निफ्टी 50 इंडेक्स में उनके वेटेज पर दिखाई देने लगा है। आईटी सेक्टर की हिस्सेदारी घटकर 26 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। निफ्टी 50 में आईटी सेवाओं का कुल वेटेज घटकर 8.8 प्रतिशत रह गया है। यह पिछले साल मार्च के अंत में 11.7 प्रतिशत था, जबकि मार्च 2021 में महामारी के दौरान यह 16.2 प्रतिशत तक पहुंच गया था। मौजूदा स्तर मार्च 1999 के बाद सबसे कम है, जब यह महज 7.1 प्रतिशत था। आईटी क्षेत्र ने 1998 के दूसरे हिस्से में निफ्टी 50 में एंट्री की थी। उस समय इंडेक्स में इंफोसिस और एनआईआईटी शामिल हुए थे।

## वित्तवर्ष 26 में शहरी भारत देगा जीडीपी का 70 प्रतिशत योगदान

नईदिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था में शहरी क्षेत्रों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। डेटा और एनालिटिक्स कंपनी डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 तक देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में शहरी भारत की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह आंकड़ा 1990 के दशक में करीब 45 प्रतिशत था, जिससे स्पष्ट है कि पिछले तीन दशकों में शहरी अर्थव्यवस्था ने तेज रफ्तार से विस्तार किया है। कंपनी की 'सिटी वाइटैलिटी इंडेक्स' रिपोर्ट, जो वर्ष 2026 की पहली तिमाही पर आधारित है, बताती है कि भारत तेजी से शहरीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2036 तक देश की शहरी आबादी करीब 60 करोड़ तक पहुंच जाएगी। यह उस समय देश की कुल आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होगी। तुलना करें तो वर्ष 2011 में शहरी आबादी का हिस्सा लगभग 31 प्रतिशत था।

## इंफोसिस का कर्मचारियों को 85% बोनस देने का ऐलान

**नईदिल्ली।** देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही के लिए अपने कर्मचारियों को औसतन 85 प्रतिशत परफॉर्मेंस बोनस देने की घोषणा की है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव को लेकर आईटी सेक्टर में अनिश्चितता बनी हुई है। कंपनी के इस कदम से कर्मचारियों के मनोबल को मजबूती मिलने की उम्मीद है। कंपनी की आंतरिक सूचना के अनुसार, यह बोनस फरवरी महीने के वेतन के साथ कर्मचारियों के खातों में जमा किया जाएगा। कर्मचारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, व्यक्तिगत स्तर पर बोनस का भुगतान 75 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक हुआ है। कुछ कर्मचारियों को पिछले क्वार्टर की तुलना में करीब 15 प्रतिशत अधिक राशि मिली है।

# उभरते भारत के लिए बजट: विकास इंजन के रूप में कपड़ा उद्योग

**गिरिराज सिंह**

विकसित भारत बजट 2026-27 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट सुधारोन्मुख दृष्टिकोण की ओर इंगित करता है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ.टी.ए. के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाजार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ा बाजारों तक विशेष पहुंच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमरीकी बाजार तक नए सिरे से पहुंच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत-अमरीका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढ़ने की उम्मीद है।

बाजार तक पहुंच को सुदृढ़ करने के साथ-साथ, क्यू.सी.ओ. को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जी.एस.टी. सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर-न्यूट्रल ढांचे की ओर अग्रसर हुआ है। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यतः कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा।

यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुनः स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है।

भारत का वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र देश के जी.डी.पी. में लगभग 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है और 5.2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है। हालांकि वैश्विक वस्त्र एवं परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में विस्तार की अपार संभावनाओं को रेखांकित करती है। सरकार ने इस दिशा में एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी मध्यम अवधि का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2030 तक वस्त्र क्षेत्र का आकार 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना और निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक विस्तारित करना।

वस्त्र क्षेत्र की प्रगति को लंबे समय से बाधित करने वाला एक प्रमुख कारण पुराने उत्पादन क्लस्टरों पर इसकी निर्भरता रहा है, जो उत्पादकता और विस्तार को सीमित करता है। विनिर्माण संबंधी दक्षता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स लागतों को कम करने के लिए इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण अनिवार्य है। बजट 2026 देशभर में 200 औद्योगिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण का प्रावधान करते हुए इस आवश्यकता का सीधे तौर पर समाधान करता है। साक्ष्य दर्शाते हैं कि क्लस्टर-आधारित विनिर्माण से श्रम उत्पादकता में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और प्रति इकाई लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। मैगा टैक्सटाइल पार्कों, सांझा प्रसंस्करण सुविधाओं तथा प्लग-एंड-प्ले इकोसिस्टम में किए गए निवेश बड़े पैमाने पर स्थायी लागत को कम करते हैं।

वस्त्र क्षेत्र के रूपांतरण के केंद्र में रोजगार सृजन और कार्यबल की तैयारी हैं। वस्त्र उद्योग, पूंजी-प्रधान उद्योगों की तुलना में प्रति करोड़ रुपए के निवेश पर लगभग 3 गुना अधिक रोजगार सृजित करता है और क्रमिक पहलों के माध्यम से पूरी मूल्य श्रृंखला में कौशल विकास और रोजगार-योग्यता को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान दिया गया है।

# मजबूत समाज के निर्माण से ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभवः मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** मजबूत समाज से ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। सामाजिक समरसता, जागरूकता और सामूहिक चिंतन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खारीझरिया में आयोजित झरिया यादव महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने खारीझरिया में मंगल भवन एवं सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा की। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ऐसे महासम्मेलन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, शिक्षा और समग्र विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए समाज के प्रबुद्धजनों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रयास कर रही है। आज प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय संचालित हैं तथा प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे महत्वपूर्ण संस्थान उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भी निरंतर स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यादव समाज की गौसेवा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण के वंशज के रूप में समाज ने सदियों से गौवंश संरक्षण और सेवा का अनुकरणीय कार्य किया है।उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए भी आगे आने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता से की गई अधिकांश गारंटियों को पूरा किया गया है। प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए, जिससे प्रदेश में आवास क्रांति की शुरुआत हुई। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों के खातों में अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है तथा होली पर्व से पूर्व अंतर की राशि किसानों को प्रदान की जाएगी। वनवासी परिवारों के हित में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की गई है, जिससे संग्राहक परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।

# पुलिस की समाज में विश्वास कायम करना भी प्रमुख जिम्मेदारीः श्यामबिहारी

**रायपुर।** प्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के तत्वावधान में पुलिस प्रशिक्षण संस्थान माना में 870 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों के लिए एक अभिनव संवादात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य भावी पुलिस अधिकारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण, नीतिगत समझ और जनसेवा के मूल्यों से सीधे जोड़ना है।

बता दें कि इस विशेष कार्यक्रम में पुलिस अकादमी चंदखुरी में प्रशिक्षणरत 537 उप निरीक्षक संवर्ग के साथ ही पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 54 सूबेदार, 211 प्लाटून कमांडर और 68 उप निरीक्षक (एसबी) शामिल हैं। सभी प्रशिक्षु मार्च 2025 से बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जो अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। वर्तमान में उनकी अंतिम परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इन्हें एक वर्ष के जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थ किया जाएगा। यह संवादात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा और पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार बनाई गई है कि प्रदेश के विभिन्न मंत्री सीधे प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कर उन्हें शासन की प्राथमिकताओं, प्रशासनिक समन्वय और जनअपेक्षाओं की गहन समझ प्रदान करें।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

## उर्वरकों की कीमत बढ़ाना किसान विरोधी निर्णयः बैज

**रायपुर।** खेती में उपयोग किये जाने वाले जरूरी उर्वरको एनपीके और पोटाश की कीमते बढ़ाये जाने के केन्द्र के निर्णय का कांग्रेस ने विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक तरफ सरकार विगत दो वर्षों से धान के एमएसपी में वृद्धि का लाभ किसानों को नहीं दे रही है, तो वहीं दूसरी ओर खाद की कीमतों में लगातार वृद्धि कर रही है। एनपीके की कीमत 1,720 रुपए प्रति बोरी से बढ़ाकर 1,900 रुपए और पोटाश की कीमत 1,500 से बढ़ाकर 1,800 रुपए प्रति बोरी कर दिया गया है, एनपीके की कीमत पिछले दो सालों में 430 रुपए प्रति बोरी बढ़ाया गया है, अर्थात 860 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ है, इसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है, उत्पादन लागत लगातार बढ़ रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों से छल कर रही है। पहले प्रति बैग यूरिया में लगभग 23 किलोग्राम नाइट्रोजन मिलता था, अब घटकर यह मात्र 15 किलोग्राम रह गया है, इसका मतलब साफ है कि प्रति किलोग्राम नाइट्रोजन उर्वरक खरीदने के लिए किसानों को पहले की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। यूरिया खाद में नाइट्रोजन की मात्रा 46 प्रतिशत से घटाकर 37 प्रतिशत कर दिया गया है।

## भाजपा शराब की काली कमाई में डूब गई हैः कांग्रेस

**रायपुर।** भाजपा सरकार ने निर्णय लिया है कि अब 1 अप्रैल से फाइबर की बोतल में शराब मिलेगी। साथ ही 35 नई दुकाने भी खोली जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि शराब बंदी की बात करने वाली भाजपा शराब की खपत बढ़ाने में लगी है। शराब की काली कमाई के लालच में भाजपा की सरकार ने पिछले दो वर्षों में आधा दर्जन बार आबकारी नीति में परिवर्तन किया है। पूर्व में संचालित लगभग 700 दुकानों में कंपोजिट व्यवस्था लागू करके अंग्रेजी में देसी और देसी शराब दुकानों में अंग्रेजी शराब भी बेचने का निर्णय लिया अर्थात पुरानी दुकानों की क्षमता दुगनी होकर 400 हो गयी। इस सरकार ने पिछले साल 67 नई शराब दुकानें खोले, जिसका जमकर विरोध हुआ, अब नई नीति में 35 और शराब दुकान खोले जा रहे हैं। भाजपा की सरकार हर तरफ से शराब की बिक्री बढ़ाने में लगी है। विगत दिनों अंबिकापुर में सी-मार्ट को बंद कर प्रीमियम शराब दुकान खोली गई, अब नई शराब नीति के तहत और भी प्रीमियम दुकान खोलने का फैसला भाजपा की सरकार ने लिया है। पिछले 2 साल में सीमावर्ती पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा से शराब की तस्करी बढ़ी है। कोचियों और बिचौलियों का कारोबार बेख़ौफ़ चल रहा है, नाबालिक बच्चों तक अवैध नशे की सामग्री पहुंच रही है।

## टीबी पेशेंट को नहीं मिल पा रहा है पोषक आहार सहायता राशिः वर्मा

**रायपुर।** टीबी उन्मूलन को लेकर सरकारी दावों पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार की दुर्भावना के चलते निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को मिलने वाली मासिक 1200 की आर्थिक मदद पिछले कई महीनों से अटकी हुई है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के द्वारा संचालित योजना के तहत दी जाने वाली यह सहायता राशि मरीजों के इलाज के साथ-साथ उनके पोषण के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन पीएफएमएस से एसएनए स्पर्श पोर्टल में जानबूझकर षड़यंत्रपूर्वक बदलाव किए गए और तकनीकी दिक्कते पैदा की गई जिसके कारण भुगतान पूरी तरह ठप हो गया है। बिना पोषण सहायता के टीबी मरीजों की सेहत पर सीधा असर पड़ रहा है, जिससे इलाज अधूरा रहने और बीमारी बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। सरकार की अकर्मण्यता से टीबी मरीजों की हालत बिगड़ रहा है। टीबी के इलाज में दवा के साथ पोषण भी उतना ही जरूरी है, लेकिन आर्थिक मदद समय पर न मिल पाने से, टीबी उन्मूलन का लक्ष्य भी खतरे में पड़ गया है। सरकारी डीओटीएस केंद्रों पर आवश्यक दवाओं का स्टॉक नहीं है, नियमित आपूर्ति बाधित होने से उपचार बाधित हो रहा है, बलगम की जांच रिपोर्ट 6-6 महीनो तक नहीं मिल पा रहा है, नियमित दवा के अभाव में इलाज की अवधि बढ़ रही है।

## एसआईआर फॉर्म-7 में अनियमितताः साहू

**रायपुर ।** छत्तीसगढ़ में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया और फॉर्म-7 के माध्यम से मतदाता सूची से नाम काटे जाने के नाम पर आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने राज्य के मुख्य चुनाव पदाधिकारी से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में चल रही स्ढ्ढक्र में फार्म 7 के दुरुपयोग के संबंध में आवेदन दिया।प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य चुनाव पदाधिकारी को बताया कि किस प्रकार नाम जोड़ने की प्रक्रिया में सख्ती दिखाई जा रही है, जबकि नाम काटने के मामलों में पहचान और सत्यापन की अनदेखी की जा रही है। आप नेताओं का आरोप है कि कुछ क्षेत्रों में एक ही व्यक्ति द्वारा बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि राज्य के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में स्ञ्च, स्ष्ट और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मतदाताओं के नामों पर असामान्य रूप से अधिक आपत्तियां दर्ज हुई हैं। पार्टी का दावा है कि यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि गंभीर जांच का विषय है। पार्टी ने चुनाव आयोग से उच्चस्तरीय, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच की मांग की जाएगी। साथ ही फर्जी आपत्तिकर्ताओं के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई जाएगी।

## सहकारिता विभाग में बड़ा भ्रष्टाचारः राजू तिवारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने एक बयान जारी कर कहा कि, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर में धान खरीदी में तालपत्री, सुतली, रंग और कांटाबाट की खरीदी में बहुत बड़ा घोटाला किया गया है। रायपुर एवं अन्य जिला सहकारी बैंक के अधिनस्त समितियों में बहुत बड़ा बन्दर बांट सीईओ और अपैक्स के अधिकारी एवं अध्यक्ष द्वारा किया जा रहा है। अपैक्स बैंक के अधिकारी द्वारा बैंक के सीईओ को फोन कर समितियों को उनके चहेते व्यापारी से सामान खरीदने कहा गया और सीईओ द्वारा एक रिटायर्ड अधिकारी को काम में लगा दिया गया है। समिति में बिना शासकीय नियम के खरीदी करने कहा गया, शासन द्वारा जैम पोर्टल से खरीदी किया जाता है उसी तरह 3 टेण्डर लेकर भी खरीदी का प्रावधान बताया जाता है किन्तु इसकी अनदेखी कर समिति के कर्मचारियों पर सीईओ और नोडल अधिकारियों द्वारा दबाव बनवाकर बारी बारी खरीदी बगैर नियम के की गई जो की भाजपा के चहेते भ्रष्ट अधिकारी अपने मन मर्जी से काम कर रहे है और मंत्री धृतराष्ट बने बैठे है क्यों ?एक समिति से तालपत्री में लगभग 3000.00 से 5000.00 रु. तक की वसूली की गई है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.